राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,31 मई 2021 वर्ष-4, अंक -127 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन की बात में बोले पीएम मोदी-भारत दबाव से नहीं अपनी सोच से चलता है

नई दिल्ली। देश में जारी कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने रेडियों कार्यक्रम मन की बात के जरीए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के 77वें संस्करण में पीएम मोदी ने कोरोना महामारी, चक्रवात ताउते और यास का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि देश की जनता इनसे पूरी ताकत के साथ लड़ रही है। उन्?होंने इन आपदाओं में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवदेना प्रकट की।

कोरोना की शुरुआत में देश में सिर्फ एक ही टेस्टिंग लैब थी, लेकिन आज ढाई हजार से ज्यादा लैब काम कर रही हैं। शुरू में कुछ सौ टेस्ट एक दिन में हो पाते थे, अब 20 लाख से ज्यादा जांच एक दिन में हो रही है। अबतक देश में 33 करोड़ से अधिक मनूनों की जांच की जा चुकी है।

इस महामारी में भी हमारे किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन किया है। किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन किया, तो इस बार देश ने रिकॉर्ड फसल खरीदी भी की है। इस बार कई जगहों पर तो सरसों के लिए किसानों को एमएसपी से भी ज्यादा भाव मिला है। किसान-रेल अब तक करीब - करीब 2 लाख टन उपज का परिवहन कर चुकी है। अब किसान बहुत कम कीमत पर फल, सब्जियां, अनाज, देश के दूसरे सुदूर हिस्सों में भेज पा रहा है।

देश पूरी ताकत के साथ कोरोना से लड़ रहा है, पिछले 100 वर्षों में ये सबसे बड़ी महामारी है। इसी महामारी के बीच भारत ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं का भी डटकर मुकाबला किया है। मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने करीबियों को खोया है। हम सभी इस मुश्किल घड़ी में उन लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं जिन्होंने इस आपदा का नुकसान झेला है।

विपदा की इस कठिन और असाधारण परिस्थिति में चक्रवात से प्रभावित हुए सभी राज्यों के लोगों ने जिस प्रकार से साहस का परिचय दिया है। उसके लिए मैं आदरपूर्वक सभी नागरिकों की सराहना करना चाहता हूं। देश और देश की जनता इनसे पूरी ताकत से लड़ी और कम से कम जनहानि सुनिश्चित की।

पिछली मनम की बात में पीएम मोदी ने कहा था कि भारत सरकार वर्तमान कोविड की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। मैं आप सभी से कोविड के बारे में विश्वसनीय स्त्रोतों से ही जानकारी लेने की अपील करता हूं। मैं देख रहा हूं कि कई डॉक्टर कोविड पर जानकारी साझा करने के लिए सोशल मीडिया पर गए हैं और परामर्श भी दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुफ्त वैक्सीन का कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा।

● कोरोना की शुरुआत में देश में सिर्फ एक ही टेस्टिंग लैब थी, लेकिन आज ढाई हजार से ज्यादा लैब काम कर रही हैं। शुरू में कुछ सौ टेस्ट एक दिन में हो पाते थे, अब 20 लाख से ज्यादा जांच एक दिन में हो रही है। अबतक देश में 33 करोड़ से अधिक मनूनों की जांच की जा चुकी है। इस महामारी में भी हमारे किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन किया है। किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन किया, तो इस बार देश ने रिकॉर्ड फसल खरीदी भी की है ।

नेशनल कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम के तहत जून में करीब 12 करोड़ वैक्सीन डोज होगी उपलब्ध, केंद्र ने दी जानकारी

नई दिल्ली। देश में कोरोना टीकाकरण की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। एक तरह जहां राज्य सरकारें कोरोना वैक्सीन की कमी को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमला बोल रही हैं तो वहीं सरकार टीके की उपलब्धता को लेकर हर दिन सफाई दे रही है। अब केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया है कि जून 2021 यानी अगले महीने में नेशनल कोविड वेक्सीनेशन प्रोग्राम के तहत करीब 12 करोड़ वैक्सीन की डोज उपलब्ध होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी इसकी जानकारी दी है। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा था कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोरोना के 1.82 करो़ड़ से अधिक टीके अभी भी उपलब्ध हैं और उन्हें अगले तीन दिन में 4 लाख से अधिक डोज मिल जाएंगी। केंद्र ने कहा था कि अब तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 22.77 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज मुफ्त श्रेणी और प्रत्यक्ष राज्य खरीद श्रेणी के माध्यम से मुहैया कराई हैं। इसके साथ ही मंत्रालय की तरफ से कहा गया था कि इनमें बर्बाद हुई और लगाई गई डोज की कुल संख्या 20,80,09,397 है।

पीएम मोदी सरकार के सात साल पर जे पी नड्डा ने कहा

देश का आत्मविश्वास जागा, आत्मनिर्भर भारत की राह बनी

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के सात साल पूरा होने पर दावा किया कि इस दौरान ना सिर्फ देश का आत्मविश्वास जागा बल्कि गांव के गरीबों ओर वंचितों को पहली बार एहसास हुआ कि केंद्र में उनकी अपनी सरकार है। नड्डा ने सिलसिलेवार ट्वीट कर प्रधानमंत्री मोदी और ''राजग परिवार'' को बधाई और शुभकामनाएं दीं ओर कहा कि भाजपा आज के दिन को ''सेवा दिवस'' के रूप में मनाएगी और इस दौरान उसके कार्यकर्ता एक लाख गांवों में सेवा कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशवासियों ने चुनौतियों का डटकर सामना किया। उनके मार्गदर्शन में भारत का आत्मविश्वास जागा, आत्मनिर्भर भारत की राह बनी है और देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित व वंचित को पहली बार यह अहसास हुआ है कि केंद्र में उनकी अपनी सरकार है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना काल में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर भारतीय की चिंता करते हुए तुरंत राहत पैकेज घोषित किए। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र, संगठन व सभी से जरूरतमंदों की मदद करने के प्रधानमंत्री के आह्वान

पर भाजपा ने ''सेवा ही संगठन'' के मंत्र को आत्मसात किया और संकट काल में करोड़ों लोगों तक मदद पहुंचाई। ज्ञात हो कि 23 मई 2019 में लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे। भाजपा ने 303 सीटें जीतकर जनादेश हासिल किया और नरेंद्र मोदी ने 30 मई को लगातार दूसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली थी।

कोरोना के मुश्किल दौर में दिग्गजों ने खोले मदद के दरवाजे

महामारी से देश को बचाने में दिया अहम योगदान

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के रूप में इस सदी का सबसे बड़ा संकट सामने आने के बाद उद्योग जगत ने जिस तत्परता से देश-समाज की मदद की है, उसने साबित किया है कि जिस समाज की मदद से कोई कंपनी या उद्यम एक छोटे से बीज से विशाल पेड़ का आकार ले सकता है, उसे जब उसका उपकार लौटाने की बारी आती है तो वह मदद को तत्काल तत्पर रहता है। कोरोना संकट के दूसरे दौर के विकराल रूप लेने से कुछ ही समय पहले इस वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकाधिक मंच से स्पष्ट कहा था कि संपत्ति सृजित करने वालों का

भरपूर सम्मान होना चाहिए। उसके कुछ ही समय बाद से पिछले कुछ दिनों तक देश के अधिकतर राज्य कोरोना की दूसरी लहर से त्राहिमाम् कर रहे थे, नए मामलों की संख्या दो सप्ताह से भी अधिक समय तक रोजाना चार लाख और करीब डेढ़ महीने तक एक लाख से अधिक रही तथा रोजाना मौतों का आंकड़ा दुनियाभर में सर्वाधिक पर पहुंच गया। अच्छी बात यह है कि स्थिति अब सुधर रही है और इसलिए सुधर रही है क्योंकि इस मुश्किल दौर में मुकेश अंबानी, अजीम प्रेमजी, रतन टाटा, गौतम अदाणी, सज्जन जिंदल, नवीन जिंदल, आनंद महिंद्रा और इनके जैसे दर्जनों प्रतिष्ठित नामों व हजारों बड़ी-छोटी कंपनियों ने देश को कोरोना संकट से उबारने में जो अतुलनीय योगदान दिया, उसने प्रधानमंत्री मोदी के उस आग्रह की गहराई और मर्म समझने में समाज की बड़ी मदद की है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर लगेगी रोक या चलता रहेगा काम?

दिल्ली एचसी आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट सोमवार को फैसला करेगा कि वर्तमान में जारी कोविड महामारी के दौरान सेंट्रल विस्टा परियोजना के काम को जारी रखने की अनुमति दी जाए या नहीं। कोविड-19 महामारी के दौरान चल रहे निर्माण कार्य को निलंबित करने की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सुनवाई की है। पीठ ने इस पर अपना फैसला देने के लिए 31 मई की तारीख तय की है। हाईकोर्ट की वाद सूची शनिवार को सामने आई।

अदालत ने अनुवादक अन्या मल्होत्रा और इतिहासकार और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता सोहेल हाशमी की संयुक्त याचिका पर 17 मई को अपना

फैसला सुरक्षित रख लिया था। दोनों ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि परियोजना एक आवश्यक कार्य नहीं है और इसे कुछ समय के लिए रोका जा सकता है।

अब ब्लैक फंगस पर होगा और करारा प्रहार, अमेरिका से Amphotericin B की 2 लाख डोज भारत आई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बाद देश ब्लैक फंगस ने प्रकोप से जूझ रहा है। देशभर में ब्लैक फंगस के कई मरीज अपनी जान दे चुके हैं। देश के कई राज्यों में इसे महामारी भी घोषित कर दिया गया है। ब्लैग फंगस से लड़ने के लिए हमारे स्वास्थ्यकर्मी लगातार लगे हुए हैं। अब इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए अमेरिका से Amphotericin B की 2 लाख डोज भारत आई हैं। इसे ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एंबिसोम (एम्फोटेरिसिन बी इंजेक्शन) की एक खेप रविवार सुबह भारत पहुंच गई। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने

हामारी अधिनियम 1897 के तहत मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, तमिलनाडु और बिहार सहित कई राज्यों ने ब्लैक फंगस को महामारी घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी संबंधित अधिकारियों को दुनिया में कहीं से भी युद्धस्तर पर दवा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

ट्वीट कर बताया, 'ब्लैक फंगस के इलाज होने वाली AmBisome की एक और खेप @GileadSciences से भारत पहुंच गई है। अब तक कुल 2 लाख खुराक पहुंच गई हैं। और आगे आने वाली हैं!

म्यूकोर्मिकोसिस, जिसे आमतौर पर ब्लैग फंगस के रूप में जाना जाता है, इसने पूरे भारत में अपना कहर बरपाया है, विशेष रूप से कोविड-19 मरीजों में इसका असर ज्यादा देखने को मिला है जिन्हें संक्रमण के इलाज के लिए स्टेरॉयड की भारी खुराक दी गई थी। हामारी अधिनियम 1897 के तहत मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, तमिलनाडु और बिहार सहित कई राज्यों ने ब्लैक फंगस को महामारी घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी संबंधित अधिकारियों को दुनिया में कहीं से भी युद्धस्तर पर दवा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा, पीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि यह दवा दुनिया में कहीं से भी उपलब्ध हो। दुनिया भर में भारतीय मिशन इस दवा की सप्लाई हासिल करने में शामिल हैं। इसे यूएसए में गिलियड साइंसेज की मदद से हासिल किया गया है।

दिल्ली और मध्य प्रदेश में एक जून से लॉकडाउन में दी जाएगी ढील, देश के इन राज्यों में बढ़ीं पाबंदियां

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर पर नियंत्रण पाने के इरादे से देश के कई राज्यों ने लॉकडाउन की घोषणा की थी। इसका असर भी देखने को मिला। दैनिक मामलों में भारी कमी देखने को मिली है। बीते 24 घंटे के आंकड़ों पर ही नजर दौड़ाएं तो यह करीब 1.65 लाख है, जो कि पीक से काफी कम है। आपको बता दें कि कोरोना की दूसरी लहर में दैनिक मामले 4 लाख के आंकड़े को पार कर गए थे।

देश में कोरोना की रफ्तार धीमी हो चुकी है। ऐसे में कई राज्यों ने लॉकडाउन में ढील देनी शुरू कर दी है तो कई राज्यों ने प्रतिबंधों को बढ़ा दिया है। केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गोवा ने कोविड-19 की स्थिति के मद्देनजर लॉकडाउन या अन्य पाबंदियां सोमवार से अगले एक हफ्ते से लेकर एक पखवाड़े तक बढ़ाने की घोषणा की है। वहीं, दिल्ली, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश ने पाबंदियों में कुछ ढील देने का फैसला किया है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में पाबंदी को नौ जून तक बढ़ाने की घोषणा की जबकि पुडुचेरी सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में लॉकडाउन को सात जून तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। तमिलनाडु लॉकडाउन को पहले ही सात जून तक बढ़ा चुका है। वहीं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने कहा कि अगर लोग सहयोग करें और कोरोना के मामलों में कमी आए तो लॉकडाउन को विस्तारित करने का सवाल ही नहीं उठता। कर्नाटक सरकार ने सात जून तक लॉकडाउन जारी रखने का फैसला किया है।

दिल्ली में सोमवार दी जाएगी लॉकडाउन में ढील

महाराष्ट्र सरकार 14 अप्रैल से लागू पाबंदियों को पहले ही 15 दिनों के लिए बढ़ा चुकी है। ये पाबंदियां एक जून को खत्म होंगी। गोवा सरकार ने शनिवार को %कोरोना कर्फ्यू सात जून तक बढ़ाने का निर्णय किया। दिल्ली में सोमवार से ढील देने का फैसला किया गया है। वहीं लॉकडाउन की पाबंदियां सात जून तक लागू रहेंगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने मौजूदा लॉकडाउन को एक सप्ताह बढ़ा दिया है। लॉकडाउन के दौरान निर्माण स्थलों पर कामगारों और कर्मचारियों को जाने की अनुमति होगी लेकिन उन्हें आवाजाही के लिए ई-पास लेने होंगे।

एमपी में भी धीरेधीरे प्रतिबंधों में मिलेगी रियात

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में ÷कोरोना कर्फ्यू÷ के प्रतिबंधों में एक जून से चरणबद्ध तरीके से छूट के बावजूद सप्ताहांत के दौरान पूरे प्रदेश में लॉकडाउन लागू रहेगा। चौहान ने गांव, ब्लॉक, वार्ड और जिला स्तर की आपदा प्रबंधन समितियों की शनिवार शाम को डिजिटल बैठक में बताया कि प्रदेश में पांच प्रतिशत से अधिक और इससे कम संक्रमण दर वाले जिलों के लिये %अनलॉक के अलग-अलग दिशा- निर्देश होंगे।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को पाबंदी को सात जून तक बढ़ाने की घोषणा की थी। इसके अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों ने भी पाबंदी बढ़ाने की घोषणा की है। नगालैंड में 11 जून तक लॉकडाउन लागू रहेगा। अरुणाचल प्रदेश के सात जिलों में सात जून तक पाबंदी रहेगी। वहीं, मणिपुर सरकार ने 11 जून तक सात जिलों में कर्फ्यू लागू रखने का फैसला किया है। मिजोरम ने भी आईजोल निगम क्षेत्र में छह जून तक पाबंदी बढ़ाने की घोषणा की है। मेघालय सरकार ने ईस्ट खासी हिल्स जिले में पूर्ण लॉकडाउन को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया है।

बंगाल में 15 जून तक के लिए लॉकडाउन

हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार ने कोरोना से निपटने के लिए आंशिक लॉकडाउन को 15 जून तक के लिए बढ़ा दिया है। इससे पहले सरकार ने 15 से 30 मई तक के लिए पाबंदियों का ऐलान किया था। मुख्यमंत्री ममता ने बनर्जी ने पाबंदियों को बढ़ाए जाने का ऐलान करते हुए लोगों से सहयोग की अपील भी की थी। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने यह भी अपील की कि इसे लॉकडाउन न कहें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सावधानी के साथ छूट

कोरोना की दूसरी लहर के चलते पूरे देश में इस वक्त लॉकडाउन और अन्य पाबंदियां लागू हैं। जैसे-जैसे इस लहर की भयावहता में कमी आ रही है और कोरोना संक्रमण व उससे होने वाली मौतों की संख्या घट रही है, तमाम राज्य अब पाबंदियों में ढील देने की सोच रहे हैं। कुछ राज्यों ने 1 जून से रियायतें देने का एलान कर दिया है। बहुत सारे राज्यों में अभी ऐसी घोषणा नहीं हुई है, मगर होने की उम्मीद है। इस लहर का अनुभव इतना दहला देने वाला रहा है कि सरकारें बहुत सावधानी से कदम उठाना चाहती हैं। अच्छा होगा कि यह सावधानी लंबे दौर तक बरकरार रहे। पिछले एक साल में ऐसा अनुभव कई बार हुआ कि जब-जब लापरवाही बरती गई, उसके बाद कोरोना के मामले तेजी से बढ़ गए । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी 1 जून से लॉकडाउन में ढील देने और कुछ आर्थिक गतिविधियों को फिर शुरू करने की घोषणा की है। निर्माण गतिविधियों को तुरंत शुरू करने की वजह यह है कि इनमें बड़े पैमाने पर प्रवासी मजदूर काम करते हैं और कोई नहीं चाहेगा कि वे फिर पिछले साल वाली पीड़ा से गुजरें। पिछले साल का सख्त पूर्ण लॉकडाउन और उसके बाद का दौर रोज खाने-कमाने वाले लोगों पर इतना मुश्किल गुजरा कि इस बार कोरोना का कहर पिछले साल के मुकाबले बहुत ज्यादा होने के बावजूद वैसा लॉकडाउन लगाने का इरादा किसी ने जाहिर नहीं किया। यह अच्छा है कि इस बार लॉकडाउन लगाने या अन्य निषेधात्मक उपाय करने का अधिकार राज्यों के पास था, ताकि वे स्थानीय जरूरतों के हिसाब से फैसला कर सकें और अब बंदी में छूट देने का फैसला भी वे अपनी परिस्थिति के मुताबिक कर रहे हैं। दिल्ली के अलावा मध्य प्रदेश ऐसे राज्यों में शामिल था, जहां कोरोना का कहर सबसे ज्यादा बरपा है और अब वहां भी स्थिति कुछ संभली है। ऐसे में, मध्य प्रदेश सरकार ने भी कुछ आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने की अनुमति देने का फैसला किया है। राजस्थान सरकार ने भी 1 जून से धीरे-धीरे पाबंदियां घटाने की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश में भी कुछ छूट मिलने की संभावना है। महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि जिन जिलों में अब कोरोना संक्रमण की दर कम है, वहां छूट देने पर विचार किया जा सकता है। संभव यही है कि अगले हफ्ते से लगभग सारे देश में पाबंदियां हटनी शुरू हो जाएंगी। सारे राज्य बहुत धीरे-धीरे पाबंदियां उठाने के पक्ष में हैं, इसकी वजह से कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमेगी। लेकिन हमें यह याद रखना होगा कि कोरोना की रफ्तार पर काबू तभी होता है, जब सरकार और लोग साथ-साथ सावधानियां बरतें। इस साल की शुरुआत से ही लोगों ने कोरोना से जुड़ी सावधानियों को औपचारिकता मात्र बना दिया था, बल्कि बहुत सी जगहों पर यह औपचारिकता भी नहीं बची थी। जब कोरोना की दूसरी लहर आई, तब सरकारों ने पाबंदियां लगाईं और लोगों ने अपना व्यवहार बदला, मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बरतने को गंभीरता से लेना शुरू किया, जिसके नतीजे में अब संक्रमण के मामले घटे हैं। इसलिए यह याद रखना जरूरी है कि घूमने-फिरने व कामकाज करने की हमारी आजादी लगातार सावधानी बरतने से जुड़ी है। इसके अलावा, वैक्सीनेशन के दायरे को युद्ध-स्तर पर बढ़ाने की जरूरत है। तभी तीसरी लहर की डरावनी आशंका से मुक्ति संभव है।

‘आज के ट्वीट

निर्णय

प्रधानमंत्री श्री ने आज एक बड़ा ही कल्याणकारी निर्णय लेते हुए पीएम केयर फंड के अंतर्गत कई योजनाओं को शुरू किया है जिसका लाभ उन बच्चों को मिलेगा जिन्होंने अपने माता- पिता को कोरोना के कारण खो दिया है। मैं इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्रीजी को धन्यवाद देता हूँ।: पीएम केयर फंड

- राजनाथ सिंह

भूटान की भूमि पर चीन ने बसाया गांव

प्रमोद भार्गव

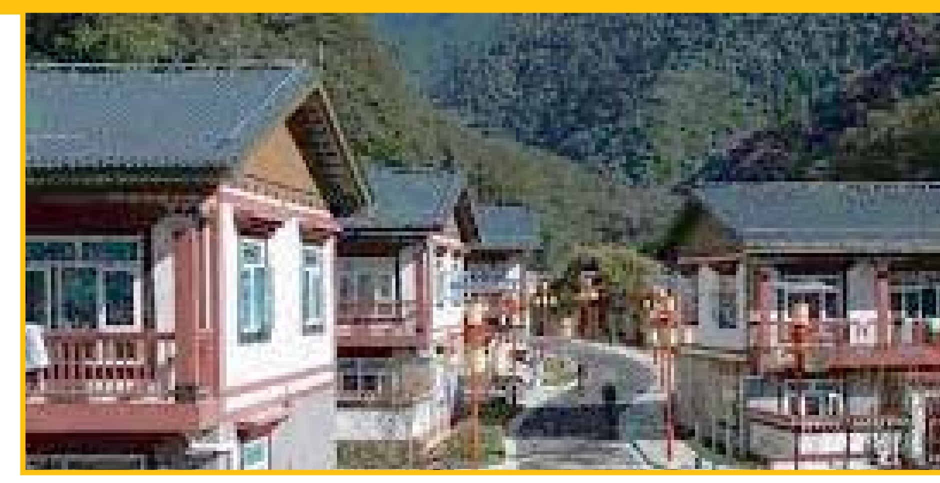

चीन अपनी चालाकियों से बाज नहीं आ रहा है। दुनिया के देश जब अपनी आबादी को कोरोना संकट से छुटकारे के लिए जूझ रहे हैं, तब चीन अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को बढ़ावा देने में लगा है। वैश्विक संस्थाओं और महाशक्तियों की भी उसे परवाह नहीं है। उसकी कुटिल चाल का ताजा खुलासा आस्ट्रेलियाई मीडिया ने किया है कि चीन ने भूटान की भूमि में आठ किमी अंदर घुसकर ग्यालाफुग नाम का गांव बसा लिया है। यही नहीं यहां चीन ने भवन, सड़कें, पुलिस स्टेशन और थलसेना के शिविर भी बना लिए हैं। गांव में बिजली की आपूर्ति के लिए ऊर्जा संयंत्र, गोदाम और चीन की कम्युनिष्ट पार्टी का दफ्तर भी खुल गया है। गांव में 100 से ज्यादा लोग रह रहे है। पहाड़ों पर आवागमन का साथी याक भी 100 की संख्या में मौजूद है। यह भूखंड भूटान का हिस्सा निर्विवाद रूप से है ही, भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा भी इस क्षेत्र से जुड़ती है। चीन अपनी विस्तारवादी मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए अरुणाचल पर भी दावा ठोकता रहता है। दरअसल भूटान की जमीन कब्जाना तो बहाना भर है, उसका असली निशाना अरुणाचल प्रदेश है। चीन और भूटान के बीच 470 किमी लंबी सीमा जुड़ी हुई है। वह भलीभांति जानता है कि छोटे-से देश तिब्बत को जिस अनैतिक दखल के चलते हथिया लिया है, उसी तरह भूटान को भी आधिपत्य में ले लेगा। दरअसल चीन को अपनी एक अरब 40 करोड़ की आबादी और विशाल सेना पर घमंड है। इसीलिए सेना ने गांव में एक बड़ा बैनर टांग दिया है। इस पर लिखा है, ‘शी जिनपिंग पर विश्वास बनाए रखें।’ जबकि सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच कुनमिंग शहर में 25 बैठकें हो चुकी हैं, जो बेनतीजा रहीं। बहरहाल, भूमि के इस टुकड़े पर अतिक्रमण करके चीन ने दोनों देशों के बीच हुए 1998 के समझौते को ठुकरा दिया है। 1980 में चीन ने जो नक्शा सार्वजनिक किया था, उसमें ग्यालाफुग ग्राम को भूटान की सीमा में दिखाया है। चीन ने इसके पहले इस भूखंड पर कभी अपना अधिकार जमाने का दावा नहीं किया। चीन भूटान की 12 प्रतिशत जमीन पर दावा जताता है। चीनी मामलों के विशेषज्ञ रॉबर्ट बर्नेट का कहना है कि चीन यह सब सोची-समझी रणनीति के तहत कर रहा है। चीन की मंशा है कि इस हस्तक्षेप का भूटान विरोध करे और चीन इस जमीन पर अपना अधिकारिक दावा ठोक दे। दरअसल बौद्ध धर्मावलंबी चीन, भूटान और तिब्बत में अनेक समानताएं हैं। नतीजतन भिन्नताओं का पता करना मुश्किल हो जाता है। चीन को भूटान के भारत से मधुर, व्यापारिक, सामरिक व कूटनीतिक संबंध होना भी सालता है। इसलिए चीन भूटान के बहाने भारत को भी उकसाना चाहता है। चीन ने जब भूटान के डोकलाम क्षेत्र में घुसपैठ की थी, तब भारत के प्रभावी हस्तक्षेप के चलते उसे पीछे हटना पड़ा था। यह फांस भी चीन को चुभ रही है। चीन ने इस घुसपैठ से पहले डोकलाम क्षेत्र को भी हथियाना चाहा था। चालाकी बरतते हुए चीन ने इसे नया चीनी नाम डोगलांग दे दिया था, जिससे यह क्षेत्र उसकी विरासत का हिस्सा लगे। इस क्षेत्र को लेकर चीन और भूटान के बीच कई दशकों से विवाद जारी है। चीन इसपर अपना मालिकाना हक जताता है, जबकि वास्तव में यह भूटान के स्वामित्व का क्षेत्र है। चीन सड़क के बहाने इस क्षेत्र में स्थाई घुसपैठ की कोशिश में है। जबकि भूटान इसे अपनी संप्रभुता पर हमला मानता है। दरअसल चीन अर्से से इस कवायद में लगा है कि चुंबा घाटी जो कि भूटान और सिक्किम के ठीक मध्य में सिलीगुड़ी की ओर 15 किलोमीटर की चौड़ाई के साथ बढ़ती है, उसका एक बड़ा हिस्सा सड़क निर्माण के बहाने हथिया ले। चीन ने इस मकसद की पूर्ति के लिए भूटान को यह लालच भी दिया था कि वह डोकलाम पठार का 269 वर्ग किलोमीटर भू-क्षेत्र चीन को दे दे और उसके बदले में भूटान के उत्तर पश्चिम इलाके में लगभग 500 वर्ग किलोमीटर भूमि ले ले। लेकिन 2001 में जब यह प्रस्ताव चीन ने भूटान को दिया था, तभी वहां के शासक जिग्में सिग्ये वांगचूक ने भूटान की राष्ट्रीय विधानसभा में यह स्पष्ट कर दिया था कि भूटान को इस तरह का कोई प्रस्ताव मंजूर नहीं है। छोटे-से देश की इस दृढता से चीन आहत है। भारत और भूटान के बीच 1950 में हुई संधि के मुताबिक भारतीय सेना की एक टुकड़ी भूटान की सेना को प्रशिक्षण देने के लिए भूटान में हमेशा तैनात रहती है। इसी कारण जब चीन भूटान और सिक्किम सीमा के त्रिकोण पर सड़क निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाने का काम करता है, तो भूटान इसे अपनी भौगोलिक अखंडता एवं संप्रभुता में हस्तक्षेप मानकर आपत्ति जताने लगता है। लिहाजा संधि के अनुसार भारतीय सेना का दखल अनिवार्य हो जाता है। मई 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कुशल कूटनीति के चलते सिक्किम को भारत का हिस्सा बना था। सिक्किम ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसकी चीन के साथ सीमा निर्धारित है। यह सीमा 1898 में चीन से हुई संधि के आधार पर सुनिश्चित की गई थी। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चीन और ब्रिटिश भारत के बीच हुई संधि को 1959 में एक पत्र के जरिए स्वीकार लिया था। उस समय चीन में प्रधानमंत्री झोऊ एनलाई थे। हालांकि 1998 में चीन और भूटान सीमा-संधि के अनुसार दोनों देश यह शर्त मानने को बाध्य हैं, जिसमें 1959 की स्थिति बहाल रखनी है। बावजूद चीन इस स्थिति को सड़क के बहाने बदलने को आतुर तो है ही, युद्ध के हालात भी उत्पन्न कर रहा है। भारत इस विवादित क्षेत्र डोकाला, भूटान डोकलम और चीन डोगलांग कहता है। यह ऐसा क्षेत्र है, जहां आबादी का घनत्व न्यूनतम है। पिछले एक दशक से यहां पूरी तरह शांति कायम थी, लेकिन चीन ने सैनिकों की तैनाती व सड़क निर्माण का उपक्रम कर क्षेत्र में अशांति ला दी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की जून-2016 में आई रिपोर्ट ने भारत को सचेत किया था कि चीन भारत से सटी हुई सीमाओं पर अपनी सैन्य शक्ति और सामरिक आवागमन के संसाधन बढ़ा रहा है। भारत और चीन के बीच अक्साई चिन को लेकर करीब 4000 किमी और सिक्किम को लेकर 220 किमी सीमाई विवाद है। तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश में भी सीमाई हस्तक्षेप कर चीन विवाद खड़ा करता रहता है। 2015 में उत्तरी लद्दाख की भारतीय सीमा में घुसकर चीन के सैनिकों ने अपने तंबू गाढ़कर सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया था। तब दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच 5 दिनों तक चली वार्ता के बाद चीनी सेना वापस लौटी थी। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाकर पानी का विवाद भी खड़ा करता रहता है। दरअसल चीन विस्तारवादी तथा वर्चस्ववादी राष्ट्र की मानसिकता रखता है। इसी के चलते उसकी दक्षिण चीन सागर पर एकाधिकार को लेकर वियतनाम, फिलीपिंस, ताइवान और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ ठनी हुई है। भारत समेत 13 देशों के साथ चीन का सीमाई विवाद चल रहा है। नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, थाइलैंड और भूटान में लगातार चीन का हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जो भारत के लिए आसन्न खतरा है। इन देशों से जुड़े कई मामले अंतरराष्ट्रीय पंचायत में भी लंबित हैं। बावजूद चीन अपने अड़ियल रवैये से बाज नहीं आता है। दरअसल उसकी असली मंशा दूसरे देशों के प्राकृतिक संसाधन हड़पना है। इसीलिए आज उत्तर कोरिया और पाकिस्तान को छोड़ ऐसा कोई अन्य देश नहीं है, जिसे चीन अपना पक्का दोस्त मानता हो।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज के समय में लोगों ने धर्म को मजहब या संप्रदाय का पर्यायवाची मान लिया है। वे ‘धर्म’ शब्द सुनते ही किसी मत-पंथ या संप्रदाय से समझते हैं। यह नितांत भूल है। इसी भूल के चलते धर्म की गरिमा संदिग्ध हो गई है और मनुष्य धार्मिक कहलाने में गर्व अनुभव करने के बदले संकोच अनुभव करता है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है। ‘धर्म’ कोई संप्रदाय नहीं, कोई मत-पंथ नहीं, बल्कि वह एक ऐसी रीति-नीति है, जो मानव को महामानव बनाकर खड़ा करती है। वह धारण करने की वस्तु है, न कि रटने भर की। उसे धारण करने पर ही वह अपेक्षित अनुदान दे सकने में समर्थ होता है। केवल रटने भर के धर्म में कोई ताकत नहीं होती जो किसी को कुछ दे दे। सृष्टि निर्माण में मानवी चेतना के प्रादुर्भाव के साथ ही कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य की भावना ने सामाजिक प्राणी मानव के समक्ष धर्म का स्वरूप प्रस्तुत कर दिया। धर्म-भावना ईश्वरवादी सृष्टि से भी ऊंची है। संसार में कोई भी राष्ट्र, कोई भी प्राणी अधार्मिक होकर जी नहीं सकता क्योंकि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जो कुछ भी संभव हो सकता है, वह सब धर्म की सीमाओं में रहकर ही हो सकता है। मनुष्य का धर्म यह है कि वह बाह्य व्यवहार एवं आंतरिक वृत्तियों का परिशोधन करे, अपने मूल रूप को जीवन में व्यक्त करे। यही शुद्ध स्वरूप ज्ञान ‘आत्मवत् सर्व भूतेषु’ की श्रेष्ठतम भावनाओं को स्फुरित कर लोक मंगल को सहज साध्य बना सकता है। स्थूल स्तर पर हम धर्म को दो रूपों में देख सकते हैं। एक रूप वह जो देश, काल, पात्र के अनुरूप आचार संहिता प्रस्तुत करता है और आवश्यकतानुसार यथोचित परिवर्तन के साथ लोक मंगल की दिशाएं सक्रिय बनाता है।

धर्म का यह स्वरूप देश, काल और पात्र का सापेक्ष होता है। दूसरा स्वरूप वह है जो मूल तत्त्व है, शात है, अजर, अमर, अपरिवर्तनीय और अविनाशी है। यह मानवी आध्यात्मिक शक्तियों का उस चरम बिन्दु तक का विकास है, जहां धरती पर स्वर्ग और मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो जाता है अर्थात् मानव का बाह्य आचरण एवं आंतरिक विचारणा मानव मात्र के कल्याण की दिशा में

सपनों के साथ जीना कभी न छोड़ा

विराली मोदी दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता

एक बेहद अच्छे माहौल में विराली मोदी की परवरिश हुई। 29 सितंबर, 1991 को मुंबई में पैदा विराली के माता-पिता जीतेश और पल्लवी मोदी कुछ सपनों के साथ अमेरिका भले आ गए थे, पर अपने मूल्यों और माटी से उनका रिश्ता कायम रहा। वे छुट्टियों में परिजनों से मिलाने विराली को मुंबई जरूर ले आते। पेन्सिल्वेनिया के लैनकस्टर में कोनेस्टोगा वैली हाई स्कूल में पढ़ रही विराली क्लास-टॉपरों में शामिल रहने के कारण शिक्षकों की भी चहेती थीं। विराली बचपन से ही मॉडलिंग और अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने के सपने देखती थीं। पर अचानक कुछ ऐसा हुआ, जिसने उन सपनों को जैसे चूर-चूर कर दिया। वह 2006 की गरमी थी। स्कूल में छुट्टियां हो गई थीं और विराली मुंबई आ गईं। पूरी जुलाई कैसे बीत गई, उन्हें पता ही नहीं चला। पता तो खैर उन्हें यह भी नहीं था कि ये खुशियां जल्द ही अपने पीछे एक बड़ा बवंडर लेकर आने वाली हैं। अमेरिका लौटने के बाद विराली को पहले सिरदर्द की शिकायत हुई और फिर बुखार आया। डॉक्टर ने सामान्य वायरल की दवा दी, पर दवा की खुराक खत्म होने के बाद ज्वर ने फिर धावा बोला। तब कई तरह के टेस्ट करवाए गए। पर सभी टेस्ट सामान्य थे। विराली की मां ने डॉक्टर से गुजारिश की कि भारत में यह मानसून का मौसम है, शायद मलेरिया का प्रकोप हो। डॉक्टर को भी लक्षण मिलते-जुलते लगे, पर सारे टेस्ट सामान्य थे, इसलिए उन्होंने मलेरिया की दवा देने से इनकार कर दिया, यह कानूनन गलत होता। घर आने के थोड़ी देर बाद ही विराली की स्मृतियां गायब हो गईं। उन्हें मां की भी पहचान नहीं रही। चलने में भी उनका संतुलन नहीं बन पा रहा था। विराली के माता-पिता फौरन उन्हें हॉस्पिटल लेकर भागे। एमआरआई रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टरों ने आशंका जताई कि रीढ़ की हड्डी के गरदन वाले हिस्से में एक स्पॉट है। उसके इलाज के दौरान ही विराली को दिल का दौरा पड़ा। नर्स ने उनकी मां से कहा- बेटी को आखिरी बार कुछ कहना चाहती हैं, तो मेरे साथ आइए! सात मिनट तक सारे पैरामीटर उन्हें मृत घोषित किए रहे। मगर डॉक्टरों ने अपना प्रयास छोड़ा नहीं था। सात मिनट बाद उन्हें विराली की सांसें लौटा लाने में सफलता मिल गई थी। विराली अब वेंटिलेटर पर थीं। स्थिति भी कुछ सुधरी और उन्होंने माता-पिता को पहचानना शुरू कर दिया था। लेकिन अगले दिन नए स्टेज के उपचार के दौरान वह कोमा में चली गईं। अगले 23 दिन विराली कोमा में ही रहीं। इस दौरान उनका हिमोग्लोबिन चार से नीचे चला गया, शरीर का तापमान भी 90 डिग्री फॉरेनहाइट से नीचे गिर गया और दो बार उन्हें मृत मान लिया गया था। आखिरकार, 21 सितंबर को डॉक्टरों ने विराली के माता-पिता से सहमति-पत्र पर दस्तखत करने को कहा, ताकि उनके वेंटिलेटर का स्वीच ऑफ किया जा सके। कोई पैरामीटर किसी तरह की उम्मीद नहीं बंधा रहा था। मां डॉक्टरों के आगे गिड़गिड़ा उठीं, ‘बस आठ दिन बाद मेरी बिटिया 15 की हो जाएगी।’ रहमदिल डीन (मेडिसिन) ने एक शर्त पर इजाजत दे दी कि यदि उस दिन भी विराली ने हमें कोई उम्मीद नहीं दी, तो 30 की रात वेंटिलेटर सपोर्ट हटा दिया जाएगा। कांपते हांथों से मां ने शर्तनामे पर दस्तखत किया। मां-बाप की तड़प, परिजनों की दुआओं और डॉक्टरों के धैर्य ने विराली को नई जिंदगी दे दी थी।

चमत्कारिक रूप से जन्मदिन के दिन ही उन्होंने आंखें खोलीं। वह अजीब वक्त था, जान बच जाने की खुशी और हमेशा के लिए शरीर के निचले हिस्से के निष्क्रिय हो जाने का गम साथ-साथ आया। विराली काफी दिनों तक हताशा में रहीं। पर मां ने उन्हें संभाल लिया। फिर वह मोड़ भी आया, जब मां को लगा कि वह हमेशा तो बेटी के लिए जिंदा नहीं रहेंगी। इसलिए इसका आत्मविश्वास लौटाना होगा। एक दिन निर्ममता से उन्होंने विराली को खुद खाने को कहा। वह निर्णायक क्षण था। समय लगा, लेकिन विराली ने खुद खाना खत्म किया, और उसी क्षण उन्हें एहसास हुआ कि अगर वह खुद खा सकती हैं, तो खुद कुछ भी कर सकती हैं। उन्होंने अपनी 12वीं की पढ़ाई पूरी की। फिर 2008 में वह मां के साथ मुंबई आ बसीं। व्हीलचेयर के सहारे ही उन्होंने अपने सपनों को फिर से जीना शुरू कर दिया। 2014 में वह मिस व्हीलचेयर इंडिया की उप-विजेता रहीं। सलमान खान की बीइंग ह्यूमन के अलावा विराली ने कई ब्रांडों के लिए मॉडलिंग की। दिव्यांगों के लिए रेलवे में व्यवस्था के वास्ते उन्होंने एक ऑनलाइन अभियान चलाया, जिसे छह लाख लोगों ने अपना समर्थन दिया। नतीजतन, नौ स्टेशनों पर व्हीलचेयर के लिए विशेष सुविधाएं बनाई गईं। आजकल वह दिव्यांगों के वास्ते बजटीय आवंटन बढ़ाने के लिए ‘डोंट डिस्काउंट डिसैबिलिटी’नाम से अभियान चला रही हैं। अब विराली की मां दुनिया में नहीं हैं, मगर विराली व्हीलचेयर की मदद से अमेरिका, अफ्रीका तक घूम-घूमकर मोटिवेशनल लेक्चर देती हैं, लेखन का काम करती हैं और दिव्यांगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

बुनियादी ढांचा से जुड़ी 470 परियोजनाओं की लागत 4.38 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली:

देश में ढांचागत क्षेत्र से जुड़ी 150 करोड़ रुपए या उससे अधिक के पूंजी व्यय वाली 470 परियोजनाओं के विभिन्न कारणों से समय पर पूरा नहीं होने से लागत 4.38 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड और उससे ऊपर की लागत वाली परियोजनाओं पर नजर रखता है। ऐसी कुल 1,737 परियोजनाओं में से 470 की लागत बढ़ी है जबकि 525 के क्रियान्वयन में विलम्ब हुआ है। मंत्रालय की अप्रैल 2021 की ताजी रिपोर्ट के अनुसार, ''कुल 1,737 परियोजनाओं की क्रियान्वयन लागत मूल रूप से 22,33,409.53 करोड़ रुपए थी जो बढ़कर अब लगभग 26,71,440.77 करोड़ रुपए पहुंच जाने का अनुमान है। यानी कुल लागत में 4,38,031.24 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। यह मूल लागत का 19.61 प्रतिशत है। रिपोर्ट के मुताबिक इन परियोजनाओं पर कुल व्यय अप्रैल 2021 तक 13,16,032.62 करोड़ रुपए रहा जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 49.26 प्रतिशत है। हालांकि इसमें कहा गया है कि परियोजनाओं को पूरा करने के लिए नई समयसीमा के आधार पर देरी वाली परियोजनाओं की संख्या घटकर 375 रह गयी है। इसके अलावा 988 परियोजनाओं के क्रियान्वयन वर्ष या उसके पूरा होने में लगने वाले अनुमानित समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। देरी वाली कुल 525 परियोजनाओं में से 106 परियोजनाओं में 1 से 12 महीने जबकि 123 परियोजनाओं के मामले में 13 से 24 महीने की देरी हुई है। 179 परियोजनाओं में 25 से 60 महीने और 117 परियोजनाओं में 61 महीने या उससे अधिक की देरी हुई है। सभी 525 परियोजनाओं में औसतन देरी 45.63 महीनों की है। परियोजनाओं में देरी का कारण जमीन अधिग्रहण में विलम्ब, वन और पर्यावरण मंजूरी हासिल करने में समय लगना, बुनियादी ढांचा समर्थन का अभाव और आपूर्ति से जुड़ी समस्याएं हैं।

सुजुकी इंडिया विकसित बाजारों में निर्यात बढ़ाने पर दे रही ध्यान

नई दिल्ली। वाहन बनाने वाली कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया भारतीय मॉडल की विदेशी बाजारों में मांग को भुनाने की योजना बना रही है। इसके तहत कंपनी जापान और न्यूजीलैंड जैसे विकसित बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने पर गौर कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले साल कंपनी का निर्यात कम हुआ था, लेकिन कंपनी जहां अपने वाहन बेचती है, वहां के ज्यादातर बाजारों में स्थिति पहले से बेहतर है। इसको देखते हुए कंपनी इस साल निर्यात बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय मॉडल की मांग उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। अत: हमें इस मांग को यथाशीघ्र थामना है। इसीलिए हम भविष्य की निर्यात योजना को लेकर काफी सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी फिलहाल लातिन अमेरिकी, जापान, दक्षिण पूर्व एशिया पर ध्यान दे रही है। कंपनी की श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ेसी देशों पर भी नजर है । एसएमआईपीएल का निर्यात 2020-21 में 33.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70,369 इकाई रहा जो 2019-20 में 1,05,164 इकाई था।

अमेरिका ने चीनी सीफूड कंपनी के आयात पर लगाई रोक

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने उस चीनी कंपनी से सीफूड के आयात पर रोक लगा दी, जिस पर चालक दल के सदस्यों को गुलाम की तरह काम करने के लिए विवश करने का आरोप है जिसके चलते पिछले साल कई इंडोनेशियाई मछुआरों की मौत हुई। सीमा शुल्क तथा सीमा संरक्षण विभाग ने कहा कि वह डालियन ओशियन फिशिंग के 30 से अधिक जहाजों से जुड़े किसी भी आयात पर तत्काल रोक लगाएगा। वह अमेरिका के उस कानून के तहत यह रोक लगाएगा जिसमें ऐसे उत्पाद पर पाबंदी लगाने का प्रावधान है जिनका उत्पादन गुलाम जैसी स्थितियों में काम कर रहे श्रमिकों ने किया है। गृह मंत्री एलेजांद्रो मेयरकास ने कहा कि हम जबरन मजदूरी से उत्पादित किसी भी वस्तु को स्वीकार नहीं करेंगे। इंडोनेशियाई सरकार ने मई 2020 में इस कंपनी पर उसके मछुआरों के साथ अमानवीय बर्ताव करने का आरोप लगाया था। उसने कहा कि उसके दर्जनों मछुआरों को एक दिन में 18 घंटे तक काम करने के लिए विवश किया गया और उन्हें कोई मेहनताना भी नहीं दिया या पहले से तय राशि से कम वेतन दिया। उसने आरोप लगाया कि इन परिस्थितियों में काम करते हुए बीमार होने के कारण कम से कम तीन मछुआरों की मौत हो गई।

सररफा MCX समीक्षा : लगातार दूसरे सप्ताह मजबूत हुआ सोना

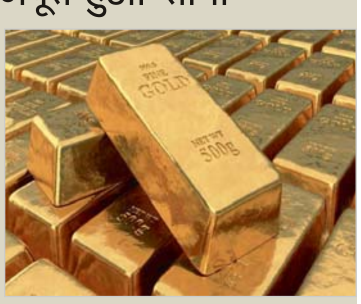

मुंबई: विदेशों में दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी के बीच घरेलू स्तर पर भी बीते सप्ताह सोने-चांदी के भाव चढ़ गए। एमसीएक्स वायदा बाजार में सोने की कीमत सप्ताह के दौरान 138 रुपए चढ़कर 48,542 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई। सोना मिनी भी 153 रुपए की साप्ताहिक तेजी के साथ अंतिम कारोबारी दिवस पर 48,543 रुपए प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर बीते सप्ताह सोना हाजिर 22.35 डॉलर चमककर 1,904.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 24.50 डॉलर की बढ़त के साथ शुक्रवार को 1,906.30 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। घरेलू स्तर पर चांदी समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 562 रुपए मजबूत हुई और सप्ताहांत पर 71,611 रुपए प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी मिनी की कीमत 571 रुपए चढ़कर 71,650 रुपए प्रति किलोग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.34 डॉलर की साप्ताहिक गिरावट के साथ 27.93 डॉलर प्रति औंस पर रही।

कोरोना का असर, एफपीआई ने मई में निकाले 988 करोड़ रुपए

नई दिल्ली: विदेशी पोटफोंलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 12.39 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई के पहले चार सप्ताह में घरेलू पूंजी बाजार में 1,87,589.29 करोड़ रुपए लगाए जबकि इसी दौरान 1,88,577.50 करोड़ रुपए निकाले भी। इस प्रकार उन्होंने 988.21 करोड़ रुपए यानी 12.30 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है। एफपीआई ने शुद्ध रूप से 44.68 करोड़ डॉलर के शेयर और 4.94 करोड़ डॉलर के डेट बेचे। वहीं, अन्य माध्यमों जैसे डेट-वीआरआर और हाइब्रिड में उन्होंने शुद्ध रूप से पूंजी लगाई। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई ने बाजार से पूंजी निकाली है। अप्रैल में उन्होंने शुद्ध रूप से 118.56 करोड़ डॉलर (करीब 8,836) करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी।

इनकम टैक्स के नए पोर्टल से मोबाइल पर भी भर सकते हैं रिटर्न

मुंबई ।

आयकर विभाग के नए पोर्टल से आप मोबाइल पर भी इनकम टैक्स रिटर्न भर सकते हैं। आयकर विभाग ने इस बारे में जानकारी दी। उसने कहा कि सात जून को आयकर विवरण भरने के लिए एक नया पोर्टल ई-फाइलिंग 2.0 शुरू करेगा। आयकर विभाग के अनुसार इसे मोबाईल के जरिये इस्तेमाल करना आसान होगा। इस पर पहले से भरे आयकर विवरण आईटीआर आयकर फॉर्म और सरल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विभाग ने एक ट्वीट में कहा कि आयकर विभाग सात जून 2021 को एक नया ई-फाइलिंग पोर्टल एचटीटीपी://इनकमटैक्सडाटजीओवीडाटइन शुरू करेगा। विभाग ने कहा है कि इस नए पोर्टल में एक नया मोबाईल एप भी होगा जिस पोर्टल पर करदाताओं को उपयोगकर्ता मैन्युअल और वीडियो क्लिप के जरिये हर कदम पर दिशा-निर्देश सुलभ होंगे। विभाग ने कहा है कि नया पोर्टल पेश किये जाने से पहले एक से छह जून तक इ-फाइलिंग सेवाएं (उपलब्ध नहीं होंगी। विभाग ने करदाताओं को सुझाव दिया है कि यदि उन्हें कोई जवाब या सेवा प्रात करनी है तो, इस तिथियों से पहले या बाद में अपना आवेदन करें।

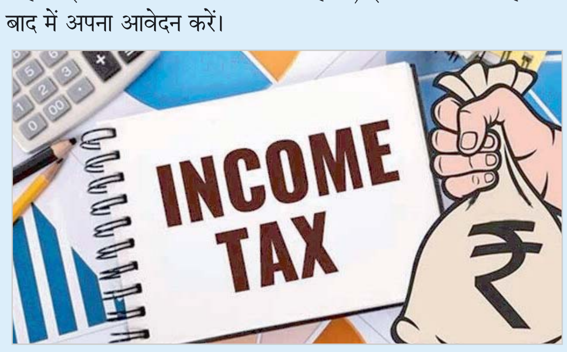

टॉप-10 में से 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.39 लाख करोड़ रुपए बढ़ा, रिलायंस को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली:

देश की सर्वाधिक मूल्यवान 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 1,39,566.52 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इसमें सर्वाधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और इन्फोसिस रही। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स 882.40 अंक यानी 1.74 प्रतिशत मजबूत हुआ। केवल दो कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में शुक्रवार को समाप्त सप्ताह के दौरान गिरावट दर्ज की गई। लाभ में रहने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 59,590.77 अंक उछलकर 13,28,049.94 करोड़ रुपए पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का एमकैप 23,562.96 करोड़ रुपए बढ़कर 11,63,018.74 करोड़ रुपए रहा जबकि इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 21,395.27 करोड़ रुपए बढ़कर 5,98,604.10 करोड़ रुपए पहुंच गया। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 18,697.06 करोड़ रुपए बढ़कर 3,76,663.23 करोड़ रुपए पहुंच गया। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक का एमकैप 8,435.06 करोड़ रुपए बढ़कर 3,56,849.67 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 4,555.41 करोड़ रुपए बढ़कर 4,58,418.62 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक का एमकैप 2,721.71 करोड़ रुपए बढ़कर 8,28,341.24 करोड़ रुपए पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन आलोच्य सप्ताह में 608.28 करोड़ रुपए बढ़कर 4,45,171.34 करोड़ रुपए रहा। दूसरी तरफ, हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 8,904.94 करोड़ रुपए घटकर 5,45,762.50 करोड़ रुपए और बाजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 1,282.63 करोड़ रुपए कम होकर 3,38,589.27 करोड़ रुपए पर आ गये। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रही। उसके बाद क्रमश: टाटा कंसल्टेंसी सर्विसज, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

मुनाफे का स्वाद खो रही दार्जिलिंग की चाय, कई बागान बिक्री पर लगे

बिजनेस डेस्क:

देश में प्रीमियम चाय का उत्पादन करने वाले दार्जिलिंग के चाय बागानों और चाय उत्पादकों के लिए 2017 में गोरखालैंड आंदोलन के बाद शुरू हुआ बुरा दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। 2017 के गोरखालैंड आंदोलन के बाद 2020 में कोरोना महामारी और अब 2021 में मौसम की दुश्वारी के बाद दार्जिलिंग के कई बागान बिक्री पर लगे हैं लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल रहा। इस बीच निर्यातकों को नेपाल से भी चुनौती मिल रही है और उत्पादकों का नुक्सान कम होने का नाम नहीं ले रहा।

कम बरसात से दार्जिलिंग में उत्पादन पर असर

इस साल मौसम की दुश्वारियों के कारण भारी नुक्सान हो रहा है। बरसात की कमी के कारण देश में उम्दा चाय उत्पादन करने वाले दार्जिलिंग के 87 चाय बागानों में इस साल उत्पादन कम हो कर 50 फीसदी रह गया है। गुडरिक ग्रुप के सी.ई.ओ. अतुल अस्थाना ने कहा कि चाय बागानों के लिए पत्तों की तुड़ाई का पहला दौर निर्णायक होता है और पहले दौर में पत्तों की तुड़ाई से ही पूरे सीजन के उत्पादन की जमीन तैयार होती है। पिछले साल मार्च महीने में देश में लॉकडाऊन होने के कारण चाय बागानों में काम करने वाले लोग घरों में ही रहने पर मजबूर हो गए थे लिहाजा पहले चरण की तुड़ाई नहीं हो पाई और इस साल बरसात की कमी के कारण नुक्सान झेलना पड़ रहा है।

भारतीय चाय के निर्यात में गिरावट, नेपाल को मिलने लगे आर्डर

चमोन्ग ग्रुप के चेयरमैन अशोक लोहिया ने कहा कि 2017 में 104 दिन तक चले गोरखालैंड आंदोलन से चाय का उत्पादन 72 प्रतिशत कम हो गया और इस दौरान उत्पादकों को 70 प्रतिशत की राजस्व हानि हई 7 चाय का उत्पादन न होने के कारण उत्पादक विदेशों में निर्यात नहीं कर पाए और भारतीय चाय के जर्मनी और यू.के.जैसे बड़े आयातको ने नेपाल का रुख कर लिया और नेपाल ने बड़े पैमाने पर यूरोप में चाय निर्यात करनी शुरू कर दी। जर्मनी भारतीय चाय का सबसे बड़ा आयातक है और 10 साल पहले तक जर्मनी भारत से 2 मिलियन किलोग्राम चाय का आयात करता था और यह पिछले साल कम हो कर 1.5 मिलियन किलोग्राम रह गया है। चाय के उत्पादन और निर्यात में लगातार गिरावट आ रही है जबकि लागत के मुताबिक कीमतों में वृद्धि नहीं हो रही। पिछले साल चाय का उत्पादन 6.7 मिलियन किलोग्राम रहा है। 8 साल पहले यह 9 मिलियन किलोग्राम था जबकि आठ साल पूर्व चाय का निर्यात 4.14 मिलियन किलोग्राम था जो पिछले साल कम हो कर 3.10 मिलियन किलोग्राम रह गया। इसी साल जनवरी में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ा कर 202 रुपए करने से लेबर पर आधारित इस इंडस्ट्री की लागत बढी है। एक चाय उत्पादक ने कहा कि दार्जिलिंग में शायद ही कोई ऐसा चाय बागान होगा जिसे इस समय मुनाफा होगा और कई बागान इस समय बिक्री पर लगे हैं लेकिन उन्हें कोई खरीदार नहीं मिल रहा।

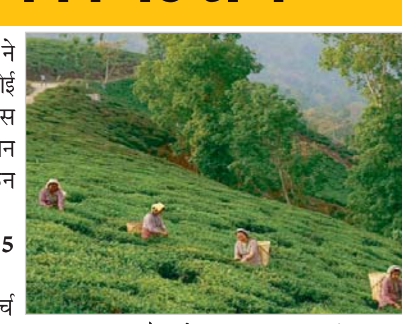

पिछले साल के मुकाबले 25 प्रतिशत कम उत्पादन

दार्जिलिंग स्थित टी. रिसर्च एसोसिएशन (टी.आर.ए.) के वरिष्ठ विज्ञानी एस.सनिग्रही का मानना है कि अप्रैल के महीने में पहले चरण की तुडाई चरम पर होती है और करीब 20 फीसदी फसल का उत्पादन होता है और इसी दौरान कंपनियां करीब 30 प्रतिशत राजस्व कमाती हैं। टी.आर.ए. के आंकड़ों के मुताबिक इस साल अप्रैल तक चाय उत्पादन 2020 के मुकाबले 24.73 प्रतिशत कम है जबकि 2019 के मुकाबले यह कमी 48.86 प्रतिशत है। इस साल मई में उत्पादन 3 से 5 प्रतिशत और कम हो सकता है क्योंकि कम बरसात के अलावा चाय के बागानों में हए कीटों के हमले का असर आना अभी बाकी है। इसका मतलब है कि मई और जून के महीने का उत्पादन भी पहले से ही प्रभावित हो चुका है। पहले चरण की तुड़ाई में होने वाली चाय की पैदावार महंगे दाम पर बिकती है और टी.बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल दार्जिलिंग में कोरोना के कारण हुए लॉकडाऊन के चलते पहले चरण की पैदावार 2019 के मुकाबले 16 प्रतिशत कम हुई थी।

ऑनमोबाइल ग्लोबल के चौथी तिमाही का मुनाफा 17प्रतिशत घटकर 15 करोड़ रुपए रह गया

नई दिल्ली:

ऑनमोबाइल ग्लोबल लिमिटेड ने वर्ष 2020-21 की मार्च को समाप्त तिमाही में अपना एकीकृत शुद्ध मुनाफा 16.5 प्रतिशत घटकर 14.9 करोड़ रुपए रहने की सूचना दी है। कंपनी ने शुक्रवार देर रात को एक नियामकीय सूचना में कहा कि एक साल पहले की जनवरी-मार्च की तिमाही में कंपनी को 17.9 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ था। इसमें कहा गया है कि समीक्षाधीन तिमाही में इसका सकल राजस्व 9.7 प्रतिशत घटकर 137 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की अवधि में 151.7 करोड़ रुपए था। कंपनी के अनुसार, सीओजीएस का मतलब सामग्री लागत, प्रतियोगिता/संतुष्टि लागत है। नियामकीय सूचना में कहा गया है कि लागत युक्तिसंगत करने के प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्तवर्ष 2020 की चौथी तिमाही में परिचालन लाभ पहले के 12 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्तवर्ष 2021 की चौथी तिमाही में 15.4 करोड़ रुपए हो गया जो सालाना आधार पर 28.2 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें कहा गया है कि पूरे वित्तवर्ष 2020-21 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 66.6 प्रतिशत बढ़कर 46 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 27.6 करोड़ रुपए था। कंपनी का सकल राजस्व पिछले वित्तवर्ष में 2.1 प्रतिशत घटकर 576 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्तवर्ष 2019-20 में 588.4 करोड़ रुपए था। एक अलग बयान में, ऑनमोबाइल ने कहा कि उसने हाल ही में एक नया बी टू बी गेमिंग उत्पाद, चैलेंज एरिना लॉन्च किया है।

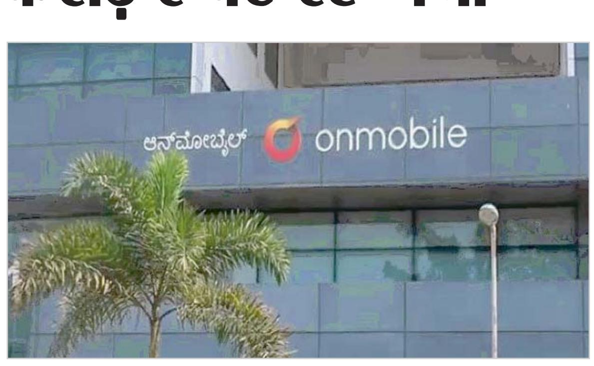

शेयर बाजार पर दिखेगा जीडीपी के आंकड़ों का असर

मुंबई:

कोविड-19 के मामलों में कमी से घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह लगातार दूसरी साप्ताहिक तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कोविड के ग्राफ के साथ ही जीडीपी के आंकड़ों पर भी रहेगी। वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े सोमवार को जारी होने हैं। महामारी के कारण जीडीपी में गिरावट तय है। देखने वाली बात यह होगी कि यह गिरावट कितनी रहती है और चौथी तिमाही में कितना सुधार देखने को मिलता है। पिछला सप्ताह निवेशकों के लिए अच्छा रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी सभी पांच कारोबारी दिवस बढ़त में रहा। पूरे सप्ताह के दौरान 260.35 अंक यानी 1.72 फीसदी चढ़कर ऐतिहासिक रिकॉड स्तर 15,435.65 अंक पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 882.40 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 51,422.88 अंक पर पहुंच गया जो करीब तीन महीने का उच्चतम स्तर है। इसमें मंगलवार को छोड़ अन्य चार दिन तेजी रही। मझौली कंपनियों का सूचकांक मिडकैप 176.08 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,661.83 अंक पर बंद हुआ। छोटी कंपनियों का सूचकांक स्मॉलकैप 348.29 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में 23,478.69 अंक पर पहुंच गया। मिडकैप और स्मॉलकैप भी गुरुवार को ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गये थे हालांकि शुक्रवार को इनमें गिरावट रही।

एनसीएलटी ने देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन का निर्देश दिया

नई दिल्ली:

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की वाणिज्यिक इकाई एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के आवेदन को स्वीकार करते हुए देवास मल्टीमीडिया की परिसमान प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने कहा कि देवास मल्टीमीडिया का गठन एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के तत्कालीन अधिकारियों के साथ साठगांठ कर फर्जीवाड़ा करने के उद्देश्य से किया गया। इसका मकसद 2005 में समझौते के जरिए कंपनी से बैंडविद्थ हासिल करना था जिसे बाद में सरकार ने रद्द कर दिया।

न्यायाधिकरण ने 19 जनवरी को अस्थायी तौर पर नियुक्त किए गए परिसमापक की भी पुष्टि की और उन्हें कंपनी की धोखाधड़ी गतिविधियों और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने से रोकने के लिए उसके परिसमापन के लिये तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। न्यायाधिकरण ने कहा, ''एंट्रिक्स के तत्कालीन अधिकारियों के साथ मिलीभगत और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने, भारत में पैसा लाने और इसे संदिग्ध तरीकों से विदेशों में हस्तांतरित करने के लिए देवास का गठन गलत तथा गैरकानूनी उद्देश्य के साथ किया गया था। एनसीएलटी ने कहा कि भारत सरकार ने संप्रभु शक्तियों का उपयोग कर नीतियों में बदलाव किया। इसमें सवालों के घेरे में आये समझौते को रद्द करना शामिल है। न्यायाधिकरण के सदस्य आर राव विट्ठनाला और आशुतोष चंद्रा की पीठ ने 25 मई को अपने आदेश में कहा, ''मामले में उक्त तथ्यों तथा परिस्थितियों पर विचार करने के बाद न्यायाधिकरण को मिले अधिकार का उपयोग करते हुए देवास मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के परिसमान का आदेश देकर कंपनी की याचिका स्वीकार की जाती है। पीठ ने परिसमापक को सात जुलाई को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

कोरोना के कारण कूलर कारोबार लगातार दूसरे साल भी सुस्त

नई दिल्ली।

कोविड ने लगातार दूसरे साल कूलर कारोबारियों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। अप्रैल से जून 3 महीने ही कूलर का व्यवसाय चरम पर होता है। जुलाई में बारिश आने के बाद काम धीमा होने लगता है। पिछले साल भी इन दिनों में लॉकडाउन रहा और इस साल भी लॉकडाउन है। दिल्ली के एक कूलर कारोबारी का कहना है कि पिछले कुछ कमा नहीं पाए, इस साल सेविंग लगाई थी, जो डूबती दिख रही है। यदि मार्केट खुल जाते हैं, तो रिटेल और होलसेलर का बिजनेस चल सकता है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल और मध्य प्रदेश जैसे राज्य गर्मी की चपेट में रहेंगे। इन राज्यों में बाजार खुलेंगे, तो दिल्ली के निर्माताओं का कुछ माल निकल सकता है। अभी जिनकी सेल महीने में 10 लाख रुपए की होती है, उनकी बामुश्किल 2-3 लाख रुपए की हो पाई है। रिटेल मार्केट में एक कूलर विक्रेता ने कहा कि गोदाम में कूलर भरे हुए हैं। गर्मी भी पड़ रही है। बाजार में कस्टमर नहीं है। दुकान के बाहर लगे बोर्ड पर लिखे मोबाइल नंबर पर भी कॉल करके कोई कूलर की डिमांड नहीं कर रहा। इस सीजन में सिर्फ 10 प्रतिशत कूलर बिक सके हैं। गोदाम किराये पर लिए हैं, बिजली का बिल देना है, लेबर की सैलरी देनी है, घर का खर्चा चलाना है, समझ नहीं आ रहा पैसा कहां से आएगा? अगर जून में सरकार ने ढील मिली, तो थोड़ा माल निकल सकता है, वरना पूरा सीजन खराब हो जाएगा। कारोबारियों के मुताबिक कॉपर, लोहे और प्लास्टिक के दाम बहुत बढ़ गए हैं। लॉकडाउन में ही काफी कच्चा माल महंगा हो गया। 52-53 रुपये किलो मिलने वाली लोहे की शीट 100 रुपये किलो पहुंच गई है। कॉपर के दाम में भी कई गुना इजाफा हुआ है। अलग-अलग ग्रेड की प्लास्टिक के रेट भी बढ़े हैं। निर्माण सामग्री के प्राइज बढ़ने से कूलर भी महंगे हुए हैं। काम ठप है और खर्चे लगातार बढ़ रहे हैं। मई 2020 में ढील मिली थी, तो थोड़ा काम चल गया। अब जून में कारोबार बिजनेस शुरू होने का इंतजार है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिसिच चैंपियन्स लीग फाइनल में खेलने वाले पहले अमेरिकी बने

पोर्टो । क्रिस्टियनर पुलिसिच विश्व के सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियन्स लीग के फाइनल में खेलने वाले पहले अमेरिकी बन गये हैं और उनकी टीम विजेता बनने में भी सफल रही। चेल्सी के फारवर्ड पुलिसिच 66वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे। तब उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ 1-0 से आगे चल रही थी। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी 2019 में जर्मन क्लब बोरुसिया डोर्टमंड से चेल्सी से जुड़ा था। उनके पास फाइनल में गोल करने का मौका भी था। उन्होंने 73वें मिनट में सिटी के गोलकीपर एडर्सन मोरियास को छकाकर गोल की तरफ शॉट जमाया लेकिन यह बाहर चला गया। पुलिसिच ने कहा कि मुझे जो मौका मिला था काश मैं उसका फायदा उठा पाता। मैं गेंद पर अच्छी तरह से शॉट नहीं जमा पाया लेकिन आखिर में हमारी टीम जीती और मुझे इस पर गर्व है। सिटी की टीम में भी अमेरिका के गोलकीपर जॉक स्टीफन शामिल थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला।

एजिस बाउल मैदान में होगा टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

कैसा रहा है भारतीय टीम का प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथम्पटन के उस एजिस बाउल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल खेलना है जहां उसने अभी तक अपने दोनों टेस्ट मैच गंवाए हैं। यह पहला अवसर होगा जबकि एजिस बाउल का उपयोग तटस्थ स्थल के रूप में किया जाएगा। यहां अब तक खेले गए सभी छह टेस्ट मैचों में मेजबान इंग्लैंड शामिल रहा है। इनमें से दो टेस्ट मैच उसने भारत के खिलाफ खेले हैं। भारतीय टीम को इन दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड ने एजिस बाउल में इन्हीं दो मैचों में जीत दर्ज की है। न्यूजीलैंड की टीम ने अब तक एजिस बाउल में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। कीवी टीम ने हालांकि इस मैदान पर तीन वनडे मैच खेले हैं जिनमें से उसे दो में जीत मिली जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला। भारत ने एजिस बाउल में जो पांच वनडे खेले हैं उनमें से तीन में उसे जीत मिली। एजिस बाउल में पहला टेस्ट मैच जून 2011 में खेला गया था जबकि भारत ने जुलाई 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में यहां पहला टेस्ट मैच खेला था। भारत ने यह मैच 266 रन के बड़े अंतर से गंवाया था। वर्तमान टीम में शामिल चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी उस मैच में खेले थे। भारत ने इस मैदान पर दूसरा टेस्ट मैच 2018 के इंग्लैंड दौरे में खेला था। तब कोहली टीम की अगुवाई कर रहे थे लेकिन भारत के सबसे सफल कप्तान को भी एजिस बाउल में सफलता नहीं मिली थी। भारतीय टीम ने यह मैच 60 रन से गंवाया था। चेतेश्वर पुजारा की पहली पारी में नाबाद 132 रन की पारी भारत की तरफ से आकर्षण का केंद्र थी। इससे भारत ने पहली पारी में बढ़त भी हासिल की थी लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम 245 रन के लक्ष्य के सामने 184 रन पर आउट हो गई थी। वर्तमान टीम के 9 खिलाड़ी उस मैच का हिस्सा थे। इन दोनों मैचों में भारतीय टीम को सबसे अधिक नुकसान ऑफ स्पिनर मोईन अली ने पहुंचाया था। उन्होंने पहले मैच में 8 और दूसरे मैच में 9 विकेट हासिल किए थे। इससे जाहिर होता है कि एजिस बाउल में स्पिनरों को भी मदद मिलती है और ऐसे में रविचंद्रन अश्विन और जडेजा की भूमिका अहम होगी। भारतीय बल्लेबाजों को भी मिशेल सैंटनर जैसे स्पिनरों से सतर्क रहना होगा।

दिव्या और स्वस्तिका ने विश्व टेबल टेनिस युवा स्टार कंटेडर में दोहरे पदक पक्के किए

नई दिल्ली ।

भारतीय युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिव्या चिताले और स्वस्तिका घोष ने ट्यूनिशिया में चल रहे 2021 विश्व टेबल टेनिस युवा स्टार कंटेडर टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन दिखाया और एकल वर्ग के नॉकआउट चरण में प्रवेश करने के अलावा अंडर-19 बालिका युगल में भी पदक पक्का किया। महाराष्ट्र की दिव्या और स्वस्तिका को शुरूआती दौर में बाई मिली थी, उन्होंने अंतिम आठ चरण के मैच में स्थानीय प्रबल दावेदार फडवा गार्सी और मरम जोघलामी पर 11-5, 6-11, 11-9, 11-8 की शानदार जीत से सेमीफाइनल में पहुंचकर कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर दिया है। अब अंतिम चार में इस भारतीय जोड़ी का सामना चेक गणराज्य की लिंडा जादेरोवा और क्रोएशिया की हना अरापोविच से होगा। वहीं दिव्या और स्वस्तिका ने अपने ग्रुप में रिकार्ड सभी मैच जीतने से अंडर-19 एकल के अंतिम 16 चरण में भी प्रवेश कर लिया है। युवा राष्ट्रीय चैम्पियन दिव्या ने बेलारूस की डार्या वासिलेंका, लिंडा जादेरोवा और अल्जीरिया की नारिमेने हिंद सिदेकी पर 3-0 के समान अंत से जीत हासिल की। जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियन स्वस्तिका ने यूनान की मालामाटेनिया पापाडिमित्रियू को 3-0 और पुर्तगाल की इनेस मातोस को 3-2 से हराया। कोरोना वायरस फैलने के बाद यह पहला अंतरराष्ट्रीय युवा टूर्नामेंट है जिसमें भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं। इससे पहले प्रेयेश राज सुरेश अंडर-15 एकल क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गए जबकि पायस जैन और दीपित पाटिल अंडर-19 वर्ग में अपने मुकाबले हार गए।

त्वेसा इटैलियन ओपन में संयुक्त 5वें स्थान पर पहुंची

पिडमोंट।

भारतीय महिला गोल्फर त्वेसा मलिक इटैलियन ओपन में संयुक्त पांचवें स्थान पर पहुंच गयी। त्वेसा ने दूसरे दौर के आखिरी नौ होल में छह बर्डी लगाकर 52वें से संयुक्त पांचवें स्थान तक का सफर तय किया। पहले दौर में दो ओवर 74 का स्कोर करने वाली त्वेसा का दो दौर के बाद चार अंडर का स्कोर है। उन्होंने आखिरी नौ होल में छह अंडर 30 का स्कोर बनाया। वहीं फिट होने के बाद वापसी कर रही दीक्षा डागर को भी कट हासिल करने उम्मीद है। उन्होंने दूसरे दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर का हो गया है। वह संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर है। इसके अलावा पहले दौर में आस्था मदान ने पांच ओवर 77 का कार्ड खेला।

चेल्सी ने मैनचेस्टर सिटी को हराकर जीता चैंपियन्स लीग का खिताब

पोर्टो ।

काई हावट्र्ज के गोल की मदद से चेल्सी ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर सिटी को 1-0 से हराकर चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। चेल्सी ने चैंपियन्स लीग में अपना पहला खिताब 9 साल पहले जीता था। उसके बाद अब जाकर उसे सफलता मिली है। उसने नये कोच थामस टचेल के सत्र के बीच टीम से जुड़ने के 123 दिन बाद यह सफलता हासिल की है। विश्व की सबसे प्रमुख क्लब प्रतियोगिता में सिटी और उसके कोच पेप गार्डियोला को आखिर में निराशा हाथ लगी। गार्डियोला दुनिया के नामी गिरामी कोच हैं लेकिन उनका रणनीति पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने से टीम को फिर से नुकसान हुआ। जर्मनी के फारवर्ड हावट्र्ज ने 42वें मिनट में गोल किया जो इंग्लैंड की दो टीमों के बीच खेले गस् चैंपियन्स लीग के तीसरे फाइनल में चेल्सी जीत दर्ज करने में सफल रहा। हावट्र्ज के लिये भी यह गोल बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि लगभग 10 करोड़ डालर का करार करने के बाद वह सत्र के बीच में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये थे। उन्होंने इस बीमारी से उबरने के बाद सत्र के आखिर में चेल्सी की तरफ से अहम भूमिका निभाई। हावट्र्ज ने बाद में कहा कि मैं वास्तव में नहीं जानता कि क्या कहना है। मैं लंबे समय से इस अवसर की तलाश में था।%% इस मैच को दुनिया के दो प्रमुख कोच टचेल और गार्डियोला के बीच रणनीतिक द्वंद्व के रूप में भी देखा जा रहा था। टचेल आखिर में इसमें विजेता रहे। गार्डियोला ने सिटी को फाइनल में पहुंचाने वाली टीम में बदलाव किया जो उन्हें भारी पड़ा। इस हार से सिटी खिताबी हैट्रिक भी नहीं बना पाया। उसने इस सत्र में प्रीमियर लीग और इंग्लिश लीग कप का खिताब भी जीता था।

संक्षिप्त समाचार

सायना और श्रीकांत को लगा झटका, नहीं खेल पाएंगे टोक्यो ओलम्पिक

नई दिल्ली । ओलम्पिक पदक विजेता भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल का टोक्यो ओलंपिक में खेलने का सपना टूट गया है। सायना इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने इस बात की जानकारी दी है। सायना के साथ-साथ किदांबी श्रीकांत भी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब नहीं हो पाए। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने साफ किया कि क्वालीफिकेशन अवधि के अंदर कोई और टूर्नामेंट नहीं होगा और मौजूदा रैंकिंग सूची में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। विश्व के पूर्व नंबर एक पुरूष खिलाड़ी श्रीकांत और लंदन खेलों (2012 ओलंपिक) की कांस्य पदक विजेता सायना की उम्मीदें लगभग उसी वक्त टूट गई थी जब कोविड-19 महामारी के कारण सिंगापुर में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के आखिरी टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया था। बीडब्ल्यूएफ ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, बीडब्ल्यूएफ पुष्टि कर सकता है कि टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों की क्वालीफाइंग पीरियड के अंदर अब कोई और टूर्नामेंट नहीं खेला जाएगा। उन्होंने बताया, टोक्यो खेलों की क्वालीफाइंग पीरियड आधिकारिक तौर पर 15 जून 2021 को खत्म हो रहा है। ऐसे में मौजूदा रेस टू टोक्यो रैंकिंग लिस्ट में बदलाव नहीं होगा। बीडब्ल्यूएफ के महासचिव थॉमस लुंड ने कहा, ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया प्रभावी रूप से बंद हो गई है क्योंकि खिलाड़ियों के लिए अंक अर्जित करने के लिए कोई अतिरिक्त मौके नहीं हैं। भारत के लिए महिला एकल में पीवी सिंधू, पुरुष एकल में बी साई प्रणीत और चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी ने क्वालीफिकेशन हासिल किया है।

टोक्यो ओलंपिक में कुश्ती मुकाबलों में रेफरी की भूमिका अदा करेंगे अशोक कुमार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती रेफरी अशोक कुमार जुलाई-अगस्त में होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान अंपायरिंग के लिए नामित होने वाले अकेले भारतीय हैं। खेल की शासी निकाय यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (वहह) ने कुमार को नामित किया है। कुमार ने आईएएनएस से कहा, यूडब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा चुना गया मैं अकेला भारतीय रेफरी हूं। मैं ओलंपिक के दौरान अंपायरिंग करूंगा। ओलंपिक के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के लिए एक चयन प्रक्रिया थी और मैंने उन मानदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया। 50 वर्षीय कुमार ने कहा कि रेफरी के लिए चयन प्रक्रिया 2019 सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप कजाकिस्तान में शुरू हुई थी, इसके बाद पिछले महीने अल्माटी में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर हुए थे। भारतीय वायु सेना के कर्मचारी कुमार को 2016 के रियो ओलंपिक खेलों के दौरान भी मुकाबलों में भाग लेने के लिए नामित किया गया था। कुमार को 2005 में अपना अंतरराष्ट्रीय रेफरी लाइसेंस मिला। तब से उन्होंने 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अंपायरिंग की है, जिसमें 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स और उसी वर्ष हुए जकार्ता एशियाई खेल शामिल हैं।

सुनील गावस्कर का बड़ा बयान, इंग्लैंड में पिच पर थोड़ी घास दिखे तो आश्चर्य नहीं होगा

स्पोर्ट्स डेस्क ।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि इंग्लैंड का आगामी दौरा विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सुनहरा समर होगा। दौरा करने वाली भारतीय टीम जून से 14 सितंबर तक यूके में होगी जिसके दौरान वह वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल और इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड के खिलाफ 4 अगस्त से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले भारत 18 जून से साउथेम्प्टन में पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। गावस्कर ने 5 मैचों की श्रृंखला पर भविष्यवाणी नहीं की, लेकिन उन्हें लगता है कि यह इंग्लैंड में भारतीय टीम का सुनहरा समर होगा। गावस्कर ने कहा, इंग्लैंड में गर्मियां भारतीय क्रिकेट का सुनहरी होने का वादा करती है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से पहले लगभग 6 सप्ताह का अंतर है और यह टीम के लिए कुछ अभ्यास मैच खेलने और लय हासिल करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। स्कोर की कोशिश करना और भविष्यवाणी करना मूर्खता है लेकिन ऐसा लगता है कि यह इंग्लैंड में एक भारतीय समर होगा। गावस्कर ने कहा, भारत की पिचों पर 'कराह' करने के बाद अगर इंग्लैंड भारतीय टीम के लिए हरी सीमिंग पिच तैयार करे तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। विशेष रूप से, इंग्लैंड ने इस साल की शुरुआत में भारत दौरे के दौरान स्पिनरों के अनुकूल पिचों पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, इस साल की शुरुआत में भारत में पिचों के बारे में चिल्लाने के बाद यदि इंग्लैंड में ग्राउंड्समैन सतह (पिच) पर थोड़ी घास छोड़ दें तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। यह अब चिंता की बात नहीं है क्योंकि भारत के पास एक आक्रमण है जो उस पर भी पनपेगा और इससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को भी परेशानी होगा।

युवा मिडफिल्डर सुरेश बोले- मैं किसी भी भूमिका के लिए तैयार

दोहा ।

आयु वर्ग के फुटबॉल मैच में बोरुसिया डॉर्टमंड के स्टार फारवर्ड अर्लिंग हालैंड के खिलाफ खेलने के बाद भारत के युवा मिडफील्डर सुरेश सिंह टीम की जरूरत के मुताबिक राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने को तैयार हैं। सुरेश आगामी विश्व कप 2022 एवं एशियाई कप 2023 क्वालीफायर मैचों के लिए दोहा गई भारतीय टीम में शामिल है। भारतीय टीम फीफा विश्व कप की दौड़ से बाहर हो गई है लेकिन चीन में खेले जाने वाले एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बनी हुई है। भारत को दोहा का जस्सीम बिन हमद स्टेडियम में कतर के खिलाफ तीन जून को पहला मुकाबला खेलना है। इसके बाद 7 जून को बांग्लादेश और 15 जून का अफगानिस्तान से भिड़ना है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से जारी विज्ञप्ति में इस 20 साल के खिलाड़ी ने कहा कि मैं कोच के निर्देशों को मानने वाला खिलाड़ी हूं। खिलाड़ी की भूमिका योजना के मुताबिक सफलता के साथ मैदान पर उतरने की होती है। अंडर-17 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे इस खिलाड़ी ने कहा कि कोच मेरा मार्गदर्शन करेंगे और मुझे बताएंगे कि वह टीम के लिए मुझसे क्या चाहते हैं। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि कोच को किस चीज की जरूरत है और मैं उनसे तकनीकी मदद लेने पर निर्भर रहता हूं। मैच के दौरान मेरा ध्यान मुझे सौंपी गयी भूमिका पर होता है।

कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलेगा भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम का ये खिलाड़ी

मुंबई । युवा विकेटकीपर बल्लेबाज और 2012 की भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे स्मित पटेल आगामी कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में खेलेंगे। पिछले साल मुंबई के लेग स्पिनर प्रवीण ताम्बे त्रिनिदाद एवं टोबैगो का हिस्सा था जिसने खिताब जीता था। पटेल बारबाडोस ट्रिडेंट्स का हिस्सा होंगे। स्मित ने स्वयं इसकी पुष्टि की। सीपीएल 28 अगस्त से 19 सितंबर के बीच खेला जाना है। पटेल ने कहा कि वह टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अगस्त में वेस्टइंडीज रवाना होंगे। इसका मतलब होगा कि पटेल को घरेलू क्रिकेट खेलना छोड़ना होगा क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के वर्तमान नियमों के अनुसार उसका कोई घरेलू क्रिकेटर किसी विदेशी लीग में नहीं खेल सकता है। विकेटकीपर और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पटेल आखिरी बार बड़ौदा की तरफ से खेले थे। वह गुजरात और त्रिपुरा का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 55 प्रथम श्रेणी मैचों में 3000 से अधिक रन बनाये हैं।

महिला क्रिकेट के प्रति भारतीय प्रशासकों को अपना नजरिया बदलना चाहिए

नई दिल्ली।

भारतीय खेल मंत्रालय ने 2012 में, सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएफएस) को महिलाओं के लिए अपनी कुल सदस्यता का कम से कम 10 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रावधान करने के लिए कहा था। इसके अलावा सरकार द्वारा नामित 25 प्रतिशत सदस्यता और मतदान के अधिकार की परिकल्पना की गई थी। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास इसमें से कुछ भी नहीं होगा और वह केवल खेल मंत्रालय की अवहेलना ही कर सकता है, जैसा कि उसने किया। बीसीसीआई ने मंत्रालय को भेजे 39 पन्नों के जवाब में सीधे तौर पर इन निदेशरें को खारिज कर दिया। इसमें लिखा गया है, इसमें कोई दो राय नहीं है कि महिला क्रिकेट बीसीसीआई के तत्वावधान में आयोजित किए जाते हैं, लेकिन (इसने) कभी भी पुरुषों की टीम से जुड़ी लोकप्रियता के एक हिस्से को भी आकर्षित नहीं किया है। बीसीसीआई ने कहा, हमारे सदस्य पुरुषों की टीम से संबंधित क्रिकेट मामलों में सदस्यता और मतदान के अधिकार वाली महिलाओं के इस तरह के अवैध आरोप को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जहां तक बीसीसीआई का संबंध है, यह प्रावधान सर्वथा बेतुका है। इन परिवर्तनों का अंतिम परिणाम कमजोर होगा और मौजूदा सदस्यों के मतदान के अधिकार में 35 प्रतिशत (25 प्लस 10 प्रतिशत) है । यही कारण है कि इन प्रावधानों को छोड़ दिया जाए। भारतीय महिला टीम कुछ दिनों में इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है और महिला क्रिकेटरों के संबंध में बीसीसीआई के भीतर कुछ ज्यादा बदलाव नहीं हो सकता है। इसका एक उदाहरण हाल ही में घोषित पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए वार्षिक रिटेनरशिप में भारी असमानता है। ए प्लस ग्रेड में शामिल एक पुरुष क्रिकेटर को सात करोड़ रुपये मिलते हैं। ए ब्रैकेट में पांच करोड़ रुपये मिलते हैं, बी श्रेणी के क्रिकेटरों को तीन करोड़ रुपये मिलते हैं, और सी ग्रेड में क्रिकेटरों को सालाना एक करोड़ रुपये मिलते हैं। महिलाओं के लिए, केवल तीन ही ग्रेड हैं, और रिटेनरशिप राशि सालाना 50 लाख रुपये, 30 लाख रुपये और 10 लाख रुपये है। भारतीय महिला क्रिकेटरों को उस समय एक उम्मीद की किरण दिखी जब अक्टूबर 2019 में सौरव गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष चुने गए।

इंग्लैंड के खिलाफ 2018 के ओवल टेस्ट ने मेरा सबकुछ बदल दिया : जडेजा

नई दिल्ली। भारतीय आलराउंडर रवींद्र जडेजा ने कहा है कि 2018 में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट ने उनके लिए सबकुछ बदल कर रख दिया। उन्होंने कहा उस टेस्ट में किए गए प्रदर्शन से उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला क्योंकि उन दिनों वह अपने करियर में संघर्ष कर रहे थे और भारतीय टीम में तीनों फॉर्मेट में जगह बनाने के लिए जूझ रहे थे। 2018 में ओवल में पांचवें टेस्ट के दौरान भारतीय टीम इंग्लैंड द्वारा पहली पारी में बनाए गए 332 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और एक समय तक उसने 160 रन तक अपने छह विकेट गंवा दिए थे और फिर जडेजा आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उन्होंने 156 गेंदों पर 86 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को संकट से बाहर निकाला। जडेजा ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, उस टेस्ट ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। पूरा खेल। मेरा प्रदर्शन, मेरा आत्मविश्वास, सब कुछ। जब आप सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ अंग्रेजी परिस्थितियों में स्कोर करते हैं, तो यह आपके आत्मविश्वास को बहुत प्रभावित करता है। यह आपको महसूस कराता है कि आपकी तकनीक दुनिया में कहीं भी स्कोर करने के लिए काफी अच्छी है। बाद में हार्दिक पांड्या चोटिल हो गए और मैंने वनडे में वापसी की। तब से मेरा खेल अच्छा चल रहा है। आलराउंडर ने भारतीय टीम से बाहर रहने के दिनों को याद करते हुए कहा, ईमानदारी से कहूं तो वो डेढ़ साल रातों की नींद हराम कर दिया था। उस दौर में मुझे याद है कि मैं सुबह 4-5 बजे तक उठ जाता था। मैं सोच रहा था कि क्या करूं, मैं वापसी कैसे करूं? मैं सो नहीं सका। मैं लेटा रहता था, लेकिन जगा ही रहता। जडेजा ने आगे कहा, मैं टेस्ट टीम में था, लेकिन खेल नहीं रहा था। मैं वनडे नहीं खेल रहा था। मैं घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल रहा था, क्योंकि मैं भारतीय टीम के साथ यात्रा कर रहा था। मुझे खुद को साबित करने का कोई मौका नहीं मिल रहा था। मैं सोचता रहता था कि मैं कैसे वापसी करूंगा।

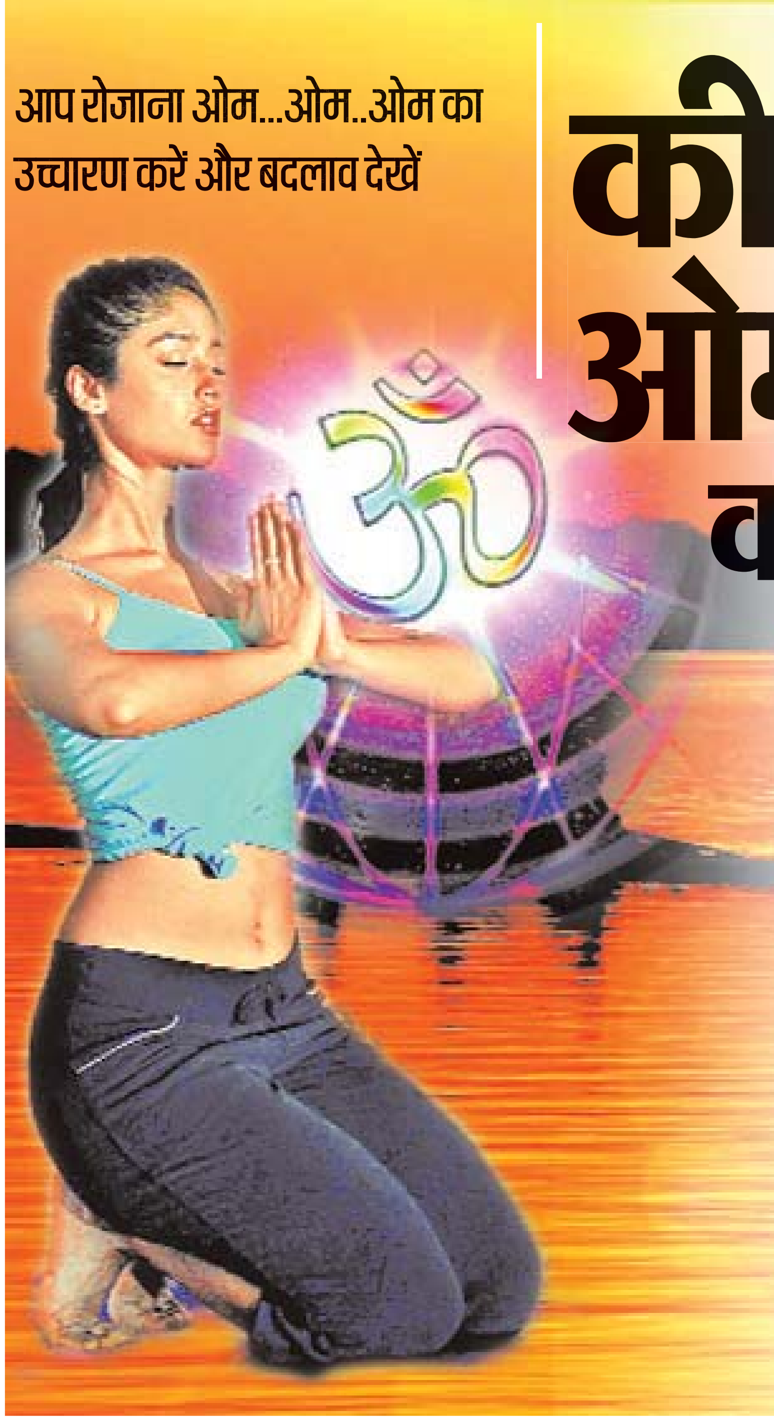

आप रोजाना ओम...ओम..ओम का उच्चारण करें और बदलाव देखें

कीजिए ओम ध्वनि का जागरण

क्या गा रहा है? ओम ओम, ओम... । रात्रि के दो या तीन बजे होंगे । चारों तरफ सन्नाटा है । आकाश में बादल छाये हैं । देखो, बिचली चमक रही है । बादल गरज कर पर्वतों पर अपनी शक्ति आजमा रहे हैं । वृक्ष तड़ातड़ टूट रहे हैं, शिलायें ढह रही हैं । मार्ग अवरुद्ध है । राम के सिर पर छाता नहीं है । उसके सिर और पांव नंगे हैं । उसके पास न तो छड़ी है और न गरम कपड़े । यह ऐसा बीहड़ स्थान है, जिसे दोपहरी में भी लोग कठिनाई से तय कर पाएं । आधी रात कौन चल रहा है? उसके अतिरिक्त और कौन हो सकता है, जो सुषुप्ति का भी साक्षी है । सदोदितोहं, सदोदितोहं, – मैं सदैव जागता हूं, मैं सदैव जागता हूं ।

ऐसी विकट स्थिति में एक टूटा–फूटा रास्ता मिल गया । रास्ता जाम है किन्तु राम के मार्ग को कौन अवरुद्ध कर सकता है । कंटीली झाड़ियों एवं शिलाखंडों को पकड़–पकड़ कर राम पहाड़ी पर चढ़ रहा है । राम वहां स्थित है, जहां पहाड़ी बकरियां भी नहीं पहुंच सकतीं । पर्वत के शिखर पर ओम ओम की अनाहत ध्वनि हो रही है ।

अरे सोने वालो, क्या तुम तक यह ध्वनि नहीं पहुंच रही है? क्या तुम्हारी नींद अब तक नहीं टूटी? बादलो, जाओ अपने गर्जन में संसार के लोगों को ओम ओम का नाद घोषित कर दो । सुवर्ण अक्षरों में ओम ओम लिख दो । राम की आज्ञा मानकर बादल गरजने लगे हैं और पत्थरों तक को जगा रहे हैं, बिजली अपनी कौंध से वृक्षों और जानवरों को प्रकाशित कर रही है । बिजली ने प्रसन्नतापूर्वक राम की आज्ञा शिरोधार्य कर ली है । आकाश ने उस आज्ञा को अपने भाल पर अंकित कर लिया है ।

भारत जग रहा है! जग रहा है! जग रहा है! आकाश ने कहा, बहुत ठीक, देवदूतों ने भी हां में हां मिलाई, बहुत अच्छा किया ।ओम ओम ओम दासता, दुर्बलता, अब तुम्हारे जाने का समय आ गया है, अब अपना बोरिया बिस्तर बांध लो, अपना सारा सामान लेकर भग जाओ । मुक्त पुरुषों के देश को छोड़ दो । तुम्हारी मृत्यु पर बादल आंसू बहा रहे हैं । तुम गंगा में बह जाओ । जाओ, अपने को समुद्र में डुबो दो । अपने को हिमालय में गला दो । इस भयंकर डरावने स्थान पर, राम निर्भय भाव से मृत्यु को चेतावनी दे रहा है । क्या उसे अपने जीवन का भय नहीं है? जो सर्वत्र विराजमान है, वह मृत्यु से किस प्रकार डर सकता है? राम की आज्ञा के बिना, क्या मृत्यु सांस ले सकती है? भारत के जागरण के पूर्व राम के शरीर का पात नहीं हो सकता । यदि शरीर का शिरोच्छेदन भी कर दिया जाए, तो उसकी हड्डियां दधीचि की हड्डियों के समान वज्र बनकर द्वैत के दानव को चूर्ण कर डालेंगी । अश्वत्थामा के छोड़े हुए ब्रह्मास्त्र की भांति राम का छोड़ा हुआ ब्रह्मास्त्र द्वैत भाव को समूल दग्ध कर देगा । इस शुद्ध संकल्प के आगे किसका दम है, जो टिक सके ।

ईश्वर प्राप्ति के लिए चाहिए पात्रता

ईश्वर– प्राणिधान का अर्थ है ईश्वर को ही अपना सर्वस्व अर्पण कर देना । जो ईश्वर को आत्मसमर्पण कर देगा, वह ईश्वर का ही चिंतन करेगा । संसार के प्रत्येक कार्य को करते हुए भी भगवान में ही लीन रहेगा । भगवान उसे ही सुलभता से प्राप्त होते हैं, जो निरंतर उनका स्मरण करता है । मन जैसा स्मरण करता है, वैसा ही बन जाता है । निरंतर भगवद्चिंतन का स्वभाव बनाने की आवश्यकता है ।

इंद्रियां– गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि 'मन सहित इंद्रियों को वश में करके जो मेरा भजन नहीं करता है, विषयों का ही चिंतन करता रहता है, ऐसे पुरुष की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है । आसक्ति से उन विषयों की कामना उत्पन्न होती है, कामना में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से अविवेक जन्म लेता है, जिससे स्मरणशक्ति भ्रमित हो जाती है । स्मृति के भ्रमित हो जाने से बुद्धि अर्थात् ज्ञानशक्ति का नाश हो जाता है । बुद्धि के नाश होने से वह अपने श्रेय–साधन से गिर जाता है । इस स्थिति से मुक्ति हेतु सर्वोत्तम साधन विषयों को विष के समान त्याग देना तथा क्षमा, सरलता, दया और सत्य को अमृत के समान ग्रहण करना है ।

भक्ति– यह भगवान की कृपा के बिना संभव नहीं है । भगवान की कृपा के लिए भक्ति आवश्यक है । भक्ति का प्रथम साधन सत्संगति है ।' तुलसीदासजी भगवन राम को सर्वोपरि साधन मानते हैं । वह लिखते हैं, 'सादर सुमिरन जे नर करहीं, भव–बारिधि गोपद इवतरहीं अथवा साधक नाम जपहिं लय जाएं, होहिं सिद्ध–अनिमादिक पाएं ।' गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'प्रेमपूर्वक भजन करने वाले भक्तों को मैं तत्व–ज्ञान देता हूं, जिससे वे मुझे प्राप्त हो जाते हैं ।' उपरोक्त उदाहरणों में सादर, लय तथा प्रीति शब्द यह सिद्ध कर रहे हैं कि श्रद्धा–प्रेमपूर्वक मन लगाकर नाम–जप ही फलीभूत होता है ।

नाम जप– नाम–जप के साथ उसके अर्थ की भावना भी अपेक्षित है । नाम–जप में मन स्थिर करने के लिए श्रद्धा और प्रीति के साथ–साथ दीर्घकालीन अभ्यास की आवश्यकता है । अभ्यास होने पर जप से संसार का संबंध कट जाएगा तथा भगवान से प्रगाढ़ संबंध जुड़ जाएगा ।

वस्तुत : किसी भी प्रकार से लिया गया भगवन नाम पाप का नाशक तथा यम–यातना से रक्षक होता है । इसलिए निरंतर भगवान के नाम का जप करते रहें ।

बुरे मित्रों से दूर रहें

स तरह सांड की अगाड़ी और गधे पिछाड़ी चलने से बचना चाहिये, ी तरह चापलूसों और स्वार्थी त्रों से चारों तरफ से बचना हेये । मित्र, चित्र और चरित्र से वन प्रभावित होता है । अत : बुरे त्रों, बुरे चित्रों और बुरे चरित्र वालों दूर रहें ।

क का इलाज नहीं

क इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन शक का कीड़ा एक बार दिमाग घुस जाए तो फिर वह सुख भाग्य का दीवाला निकाल कर ही लेता है । शक एक ऐसा रोग है, सका इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं था ।

पवित्रता का रखें ध्यान

जो पवित्र है वही ईश्वर से मिल सकता है । जो पवित्र नहीं है, वह ईश्वर से नहीं मिल सकता । जो स्त्री शुद्धध होती है, वह चौके (रसोईघर) में जा सकती है, जो स्त्री अशुद्ध हो, उसे चौके पर चढ़ने का अधिकार नहीं है ।

प्रार्थना और भक्ति

प्रार्थना और भक्ति करनी है तो कर लो अभी मौका है । मृत्यु के साथ कुछ नहीं कर पाओगे । अगर कक्षा में जो प्रश्न मास्टरजी से पूछना है, अभी पूछ लो परीक्षा के समय नहीं पूछ पाओगे । मृत्यु जिन्दगी की असली परीक्षा है ।

ऊं का महत्व

सभी धर्मों में ऊं का क्या महत्व है, यह बताते हुए कहा कि 10 का नोट हो, 20 का नोट हो, 50 का नोट हो, 100 का नोट हो अथवा चवन्नी अठन्नी, रुपया, दो रुपया हो, 1000 के नोट में ये सभी आ सकते हैं । ऊं भी ऐसा ही है, सभी धर्मों का निचोड़ इसमें है । यही वजह है कि सभी धर्मों ने इसके महत्व को स्वीकार किया है ।

■ मुनि तरुण सागर

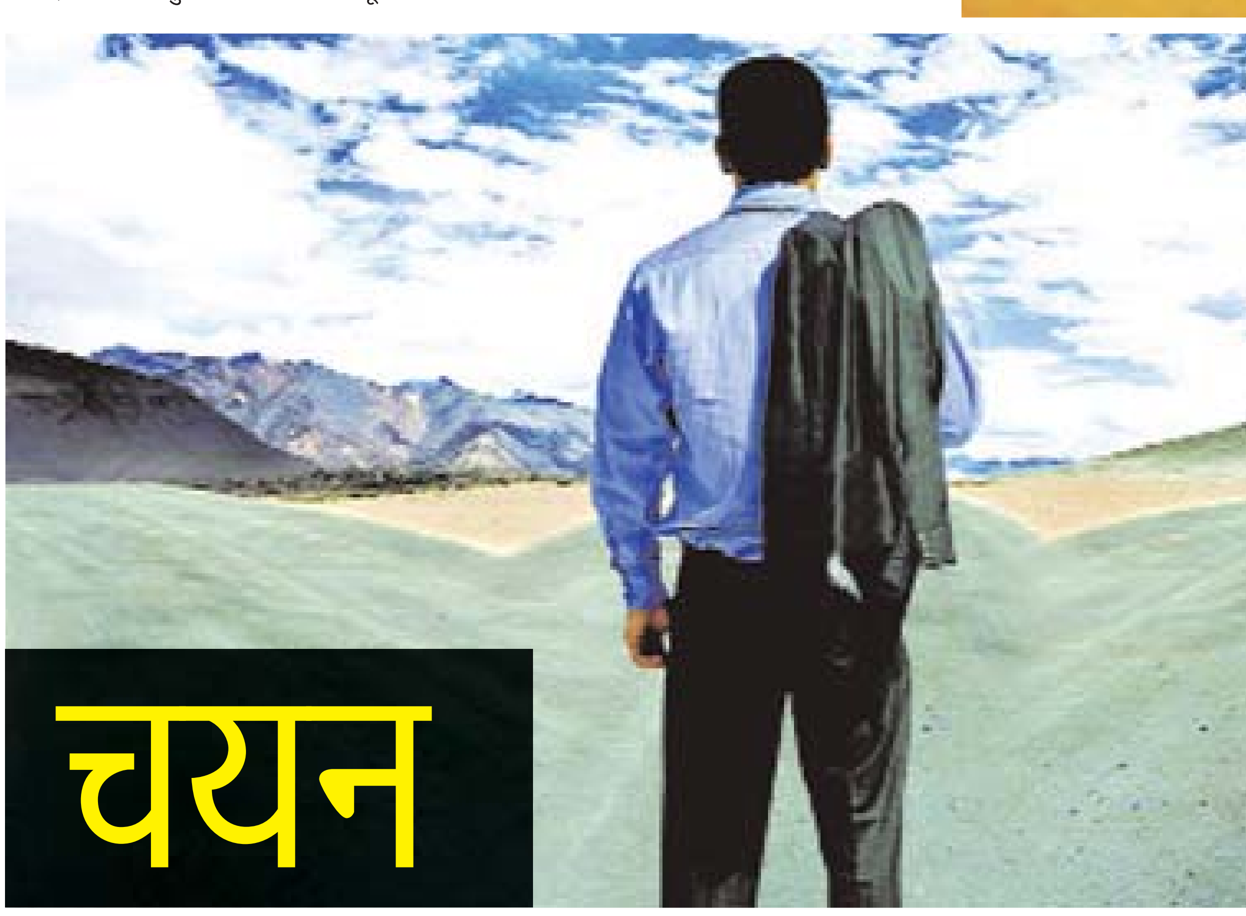

चयन तुम्हें करना है

दिन एक किसान का गधा में गिर गया । वह गधा घंटों -जोर से रोता रहा और किसान ता रहा और विचार करता रहा उसे क्या करना चाहिए और नहीं । अंततः उसने निर्णय ा कि, चूंकि गधा काफी बूढ़ा हो है, अतः उसे बचाने से कोई नहीं, इसलिए उसे कुएं में ही ना देना चाहिए ।

किसान ने अपने सभी पड़ोसियों को मदद के लिए बुलाया । सभी ने एक–एक फावड़ा पकड़ा और कुएं में मिट्टी डालनी शुरू कर दी । जैसे ही गधे को बात समझ में आई, वह और जोर–जोर से रोने लगा । फिर अचानक ही वह आश्चर्यजनक रुप से शांत हो गया । सब लोग चुपचाप कुए में मिट्टी डालते रहे । तभी किसान ने कुए में देखा तो वह आश्चर्य से सन्न रह गया । घोड़ा अपनी पीठ पर पड़ने वाले हर फावड़े की मिट्टी के साथ एक आश्चर्यजनक हरकत कर रहा था । वह हिल–हिल कर उस मिट्टी को नीचे गिरा कर उस पर बढ़ाकर उस पर चढ़ जाता था । जल्दी ही सबको आश्चर्यचकित करते हुए वह गधा कुएं के किनारे पर पहुंच गया और फिर कूदकर बाहर भाग गया । ध्यान रखिए, आपके जीवन में भी बहुत तरह कि मिट्टी फेंकी जाएगी ,बहुत तरह की गंदगी तुम पर गिरेगी । जैसे कि, तुम्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए कोई बेकार में ही तुम्हारी आलोचना करेगा, कोई तुम्हारी सफलता से ईर्ष्या के कारण तुम्हे बेकार में ही भला बुरा कहेगा । कोई तुमसे आगे निकलने के लिए ऐसे रास्ते अपनाता हुआ दिखेगा जो तुम्हारे आदर्शों के विरुद्ध होंगे । ऐसे में तुम्हे हतोत्साहित होकर कुएं में ही नहीं पड़े रहना है बल्कि साहस के साथ हिल–हिल कर हर तरह कि गंदगी को गिरा देना है और उससे सीख लेकर, उसे सीढ़ी बनाकर, बिना अपने आदर्शों का त्याग किए अपने कदमों को आगे बढ़ाते जाना है ।

अत : याद रखो ! जीवन में सदा आगे बढ़ने के लिए...

1) नकारात्मक विचारों को उनके विपरीत सकारात्मक विचारों से विस्थापित करते रहो ।

2) आलोचनाओं से विचलित न हो, बल्कि उन्हें उपयोग में लाकर अपनी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करो ।

कर्म और प्रेरणा का संबंध

कुछ लोग लापरवाही, घमंड और ईर्ष्या या किसी और कारण से दूसरों की अच्छाइयों की सराहना और उन्हें प्रेरित नहीं करते । इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे होते हैं जो बड़ी सहजता से दूसरों की प्रशंसा व सराहना करते हैं । ऐसे लोगों के लिए दूसरों को प्रेरित करना कठिन कार्य नहीं लगता बल्कि वे इस कार्य से आनंदित होते हैं । मनुष्य को स्वाभाविक रूप से दूसरों की ओर से प्रेरणा की आवश्यकता होती है । दूसरों की ओर से प्रेरणा व्यक्ति की प्रगति में बहुत प्रभावी होती है और उसे आशा व मनोबल प्रदान करती है । इस बात का उल्लेख करना उचित लगता है कि दूसरों को सराहना और उन्हें प्रेरित करने की कुछ शर्तें हैं जिसका पालन करना चाहिए वरना संभव है कि दृष्टिगत परिणाम न निकले । हज़रत अली अलैहिस्सलाम लोगों को प्रेरित करने की शर्तों के पालन के बारे में मालिक अश्तर नामक अपने एक साथी से कहते है : तुम्हारे निकट सदाचारी व चरित्रहीन एक जैसा न हो क्योंकि इस व्यवहार से सदाचारियों की भले कार्य में रुचि नहीं रहेगी और चरित्रहीनों की बुरे कर्मों में और रूचि बढ़ेगी । दूसरों की ओर से प्रंशसा व प्रेरणा का पात्र बनने वाला व्यक्ति अपने मन में आत्मविश्वास, आत्मतुष्टि और शांति का आभास करता है और वह कठिनाइयों को सहन करने के लिए अधिक गंभीर हो जाता है और इसके विपरीत यदि आलोचना का पात्र बने तो वह हतोत्साहित और हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है । ऐसा व्यक्ति अपनी क्षमताओं का सही उपयोग नहीं कर पाता । इसी प्रकार सही व्यक्ति की अप्रत्यक्ष रूप से प्रेरणा का दूसरों के व्यवहार को सुधारने में भी प्रभाव पड़ता है और वे सदकर्म की ओर प्रेरित होते हैं । जिन लोगों ने सकारात्मक कार्य किए हैं उनके संबंध में कुछ बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि कुछ बिन्दुओं पर ध्यान न देने की स्थिति में या प्रेरणा प्रभावहीन हो जाएगी या उसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा । प्रथम यह कि हर व्यक्ति को उस चीज़ के माध्यम से प्रेरित करें जो उसके लिए बहुत महत्व रखती हो । उदाहरण स्वरूप संभव है कि उपहार एक व्यक्ति के लिए बहुत महत्व रखता है किन्तु हो सकता है दूसरे के लिए महत्वहीन हो ।

विवेकानंद ने कहा था...

- दूसरों की मदद के भरोसे मत रहो । हमें अपनी मदद खुद करनी है । दूसरों की मदद पर भरोसा करना बेकार है ।
- तमाम तरह की शक्तियां हमारे अंदर छिपी हुई हैं । अगर हम अपने हाथ आंखों पर रख लें तो हमें सब तरफ अंधेरा ही नजर आएगा । अगर हाथ हटा लें तो हमें रोशनी दिखाई देने लगेगी । हालांकि यह रोशनी पहले भी थी, बस हमारे देखने की देर थी ।
- कमजोरी का इलाज कमजोरी के लिए रोना या उसकी फिक्र करना नहीं है । हमें अपनी शक्ति और क्षमता पर विचार करना चाहिए । हमारे अंदर अनंत संभावनाएं हैं ।
- वीरता से आगे बढ़ो । एक दिन में सफलता की कोशिश न करो । अपने आदर्श पर डटे रहो । स्वार्थ और ईर्ष्या से बचो ।
- उठो, जागो और तब तक रुको नहीं, जब तक मंजिल हासिल न हो जाए ।
- कामयाबी न मिले तो फिक्र मत करो ।हिम्मत मत हारो । कोशिश जारी रखो । नाकामियों से सबक लेकर संघर्ष करते रहो ।
- भाग्य बहादुर और कर्मठ लोगों का ही साथ निभाता है ।पीछे मुड़कर मत देखो । अपार शक्ति, अपरिमित उत्साह, अदम्य साहस और असीम धैर्य की जरूरत है, तभी काम पूरे हो पाएंगे ।
- बिना डरे सच को लोगों के सामने रखो । इसकी परवाह मत करो कि किसी को उससे कष्ट होता है या नहीं ।
- भलाई का रास्ता ऊबड़–खाबड़ और मुश्किलों भरा है । इस पर चलनेवालों को नाकामी से घबराना नहीं चाहिए । हजारों ठोकरें खाकर भी हमें अपने चरित्र को मजबूत बनाना चाहिए ।
- भूख के आगे धर्म की बात बेकार है । पहले रोटी और फिर धर्म ।जब बेचारे गरीब भूखों मर रहे हैं, तब हम उनमें बेकार ही धर्म को ठूंसते हैं । किसी भी धर्म से भूख की आग शांत नहीं हो सकती । तुम चाहे लाखों सिद्धांतों की बात करो, करोड़ों संप्रदाय खड़े कर लो, लेकिन जब तक तुम्हारे पास संवेदनशील हृदय नहीं है, तब तक तुम्हारी धर्म–चर्चा फिजूल है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अफगानिस्तान में शादी समारोह पर मोर्टार से गोले दागे गए, सात लोगों की मौत

काबुल। उत्तरी अफ़ग़ानिस्तान में एक विवाह समारोह पर मोर्टार से गोले दागे जाने से उनकी चपेट में आकर कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। मरने वालों में अधिकतर बच्चे हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। कापीसा प्रांत के पुलिस प्रवक्ता शहयाक शोरेश ने रविवार को कहा कि तालिबान चरमपंथियों ने तागब जिले में एक सरकारी सुरक्षा चौकी को निशाना बनाकर मोर्टार के गोले दागे, जिनकी चपेट में एक मकान भी आ गया। उन्होंने कहा कि हमला बीती रात हुआ। हालांकि तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने ट्वीट कर पुलिस पर आम लोगों के मकान को निशाना बनाकर मोर्टार से कई गोले दागने का आरोप लगाया। तालिबान और सरकारी सुरक्षा बल हमलों के लिये एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में हमलावरों की पहचान मुश्किल से हो पाती है। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से आम नागरिकों की रक्षा के लिये अधिकएहतियात बरतने की अपील की है।

अमेरिका में कोविड–19 टीका लगवाने का आदेश देने के लिए अस्पताल के खिलाफ मुकदमा

ह्यूस्टन। अमेरिका में एक अस्पताल के 100 से अधिक कर्मचारियों ने कोविड–19 टीका लगवाने का आदेश देने के लिए अस्पताल के खिलाफ मुकदमा किया है। कर्मचारियों ने शुक्रवार को ह्यूस्टन मैथोडिस्ट अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दायर कर कार्यस्थलों पर अनिवार्य रूप से टीका लगवाने के आदेश को चुनौती दी। अटॉर्नी जेरेड वुडफिल ने कहा कि वह 117 कर्मियों का प्रतिनिधत्व कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि अमेरिका के इतिहास में पहली बार किसी नियोक्ता ने अपने कर्मचारियों को प्रायोगिक तौर पर कोविड–19 एमआरएनए जीन परिवर्तन इंजेक्शन लगवाने या नौकरी छोड़ने का आदेश दिया है। याचिका में कहा गया है कि अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने दिसंबर 2020 में कोविड–19 टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। लेकिन टीकों को अभी एफडीए की पूर्ण मंजूरी और लाइसेंस नहीं मिला है। शिकायत में कहा गया है कि कर्मचारियों को टीका लगवाने के लिये मजबूर किया जाना न्यूरेमबर्ग संहिता का उल्लंघन है, जिसके तहत चिकित्सा प्रयोग के लिये जबरदस्ती टीका लगाए जाने पर पाबंदी है।

अमेरिका के फ्लोरिडा शहर में हुई गोलीबारी, दो की मौत 20 से ज्यादा हुए घायल

फ्लोरिडा। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई है। फ्लोरिडा शहर के हीलियाह में एक बिलियर्ड्स क्लब (बैंक्वेट हॉल) के बाहर अज्ञात लोगों ने गोलीबारी की, इससे दो की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रविवार तड़के हीलियाह में स्थित एल मुला बैंक्वेट हॉल के पास गोलियां चलीं। बैंक्वेट हॉल को एक संगीत कार्यक्रम के लिए किराए पर दिया गया था। मामले की अधिक जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक एसयूवी से तीन लोगों ने उतरकर बाहर भीड़ पर गोलियां चला दीं। इस पूरे मामले की और अधिक जांच की जा रही है। बता दें कि अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। इसी महीने के शुरुआती हफ्ते में अमेरिका के इडाहो राज्य के रिगबी में एक स्कूल की छठवीं क्लास में पढ़ने वाली लड़की ने ही गोलीबारी कर दी थी। घटना में दो छात्रों सहित तीन लोग घायल हो गए थे।

म्यांमार में आर्थिक मोर्चे पर भी हालात हुए अराजक, नकदी की कमी; महंगाई आसमान पर

नेपिता[म्यांमार], एएनआइ। म्यांमार में तख्ता पलट और सैन्य शासन के बाद आर्थिक स्थितियां अराजक हो गई हैं। नकदी की कमी होने के साथ ही महंगाई आसमान छूने लगी है। बैंकों से धन निकालने की होड़ लग गई है और यहां लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। चार माह पहले सैन्य शासन स्थापित होने और आंग सान सू की सरकार का तख्ता पलट होने के बाद काफी खून- खराबा हुआ है। आठ सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई, चार हजार से ज्यादा लोकतंत्र समर्थक गिरफ्तार हैं। अब आर्थिक मोर्चे पर भी देश की स्थितियां तेजी से बिगड़ने लगी हैं। जनता में घबराहट के कारण वे बैंकों में जमा धन को तेजी से निकाल रहे हैं। यही कारण है कि बैंकों पर लंबी–लंबी लाइनें लग रही हैं।

यहां लोग नकद धनराशि निकालने के बाद उसको डालर में बदलकर घर में रखना ज्यादा सुरक्षित समझ रहे हैं। खाने–पीने की वस्तुओं की कमी के साथ ही दाम भी बेतहाशा बढ़ रहे हैं। यंगून जैसे शहरों में सभी बैंकों में ऐसे हालात दिखाई दे रहे हैं। लोग खाने–पीने की सामग्री को भी इकट्ठा कर रहे हैं। वित्तीय संस्थान संकट में आते जा रहे हैं। जनता में अराजकता की स्थिति होने के कारण बैंकों व अन्य संस्थानों में अब कर्मचारियों ने कार्य करने से मना करना शुरू कर दिया है।

म्यांमार की सड़कों पर शवों की नुमाइश से जनता में दहशत

म्यांमार में एक फरवरी को सैन्य शासन लागू होने के बाद से जुंटा ने आम जनता का बेहद क्रूरता से दमन किया है। इसकी एक झलक इंटरनेट मीडिया में साझा किए गए सीसीटीवी फुटेज से मिलती है। इसमें म्यांमार के शहर की खाली सड़कों पर दो काली पिकअप धीमे–धीमे आती हैं। इनके पिछले हिस्से में खड़े हथियार बंद सुरक्षा कर्मी एकाएक उनके पीछे आती एक बाइक पर सवार तीन लड़कों पर गोलीबारी करते हैं।

राहत के बीच एक और आफत: वियतनाम में मिला हवा में तेजी से फैलने वाला नया वेरिएंट, सबसे ज्यादा है घातक

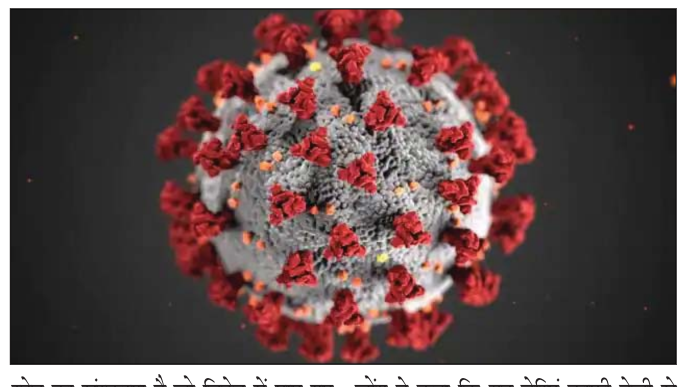

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस से राहत मिलना शुरू हुआ ही था कि एक और आफत ने दस्तक दे ही है। वियतनाम में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का एक और खतरनाक वेरिएंट मिला है। वियतनाम में कोरोना के भारत और ब्रिटेन में पाए गए स्ट्रेन के संयुक्त रूप का पता चला है। चिंता की बात यह है कि यह अन्य वेरिएंट से भी अधिक संक्रामक और घातक है। वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्री गुयेन थान लोंग ने यह जानकारी दी है।

इस वेरिएंट को लेकर ऐसा माना जा रहा है कि ब्रिटेन और भारत में पाए गये कोरोना के स्ट्रेन की तुलना में यह अधिक तेजी से फैलने वाला हो सकता है। लोंग के अनुसार वियतनाम में पाया स्ट्रेन भारत के स्ट्रेन के और म्यूटेशन के साथ ब्रिटेन में पाए गए स्ट्रेन का संस्करण है जो ब्रिटेन में पाए गए स्ट्रेन के समान है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय वैश्विक जीनोम मानचित्र पर कोरोना वायरस के नए संस्करण की घोषणा करेगा। देश में कोरोना वायरस के नए मामलों के बढ़ने के पीछे नए स्ट्रेन का होना है।

वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्री विएन टान लोंग ने कहा कि यह वेरिएं काफी तेजी से हवा में फैलता है और यह पहले की तुलना में अधिक घातक है। साथ ही यह काफी तेज गति से वातावरण में फैलता है। बता दें कि वियतनाम अभी कोरोना वायरस के नए कहर का सामना कर रहा है और इसके आधे से अधिक प्रदेशों में संक्रमण फैल गया है। अप्रैल के बाद पहली बार शनिवार को एक दिन में 6800 से अधिक नए केस सामने आए और 47 लोगों की मौतें हो गईं।

भारत में कोरोना का ग्राफ

भारत में कोविड-19 के एक दिन में 1,65,553 नए मामले आए जो 46 दिनों में संक्रमण के सबसे कम मामले हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमण के मामलों की कुल संख्या 2,78,94,800 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर गिरकर 8.02 प्रतिशत रह गई जो लगातार पांचवें दिन 10 प्रतिशत से कम है जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 9.36 प्रतिशत है। सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीमारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,25,972 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में 3,460 मरीजों की मौत हुई है।

पीएम ओली की लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों का समर्थन नहीं करें देश की संस्थाएं, विपक्षी गठबंधन की अपील

काठमांडू। (एजेंसी)।

नेपाल के विपक्षी गठबंधन ने देश की सभी संस्थाओं से प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की सरकार की असंवैधानिक तथा लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों का समर्थन नहीं करने का अनुरोध किया है। साथ ही उसने उम्मीद जतायी कि संसद के निचले सदन को भंग करने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दाखिल की गई याचिकाओं पर फैसला उसके पक्ष में आएगा। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। नेपाल के उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने संसद के निचले सदन को भंग करने के लिये दायर 30 रिट याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई की थी।

इसके बाद सुनवाई की अगली तारीख रविवार यानी 30 मई तय की थी। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 22 मई को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा को पांच महीने में दूसरी बार भंग कर दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री ओली की सलाह पर 12 और 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव कराने की घोषणा की थी। राष्ट्रपति ने सरकार गठन के प्रधानमंत्री ओली और विपक्षी गठबंधन दोनों के दावों को अपर्याप्त बताते हुए खारिज कर दिया था। ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने प्रधानमंत्री पद के लिये अलग-अलग दावे पेश किये थे।

माय रिपब्लिका डॉट कॉम की खबर के अनुसार, नेपाली कांग्रेस (एनसी), सीपीएन (माओइस्ट सेंटर), यूएमएल के माधव कुमार नेपाल नीत धड़े, जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) के उपेन्द्र यादव नीत गुट और राष्ट्रीय जनमोर्चा पार्टी ने रविवार को संयुक्त बैठक की। यह बैठक काठमांडू में बुद्धनीलकंठ स्थित देउबा के आवास पर हुई। विपक्षी दलों के संयुक्त प्रेस बयान के अनुसार, हमने 149 सासंदों के समर्थन से प्रधानमंत्री पद का दावा पेश किया था। सरकार इस तरह सदन को भंग करने का फैसला नहीं ले सकती।

बाइडेन प्रशासन से अतिरिक्त टीके भारत को मुहैया कराने की पूरी कोशिश कर रहा भारत!

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि वह हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि बाइडेन प्रशासन कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत को कोरोना वायरस टीके की वे अतिरिक्त खुराकें मुहैया कराए,जो अमेरिका में इस्तेमाल नहीं हो रही हैं। उन्होंने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और यहां स्थित हावर्ड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित वेबिनार में कहा, ''मैं हर संभव कोशिश कर रहा हूं कि बाइडन प्रशासन कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत को कोरोना वायरस टीके की वे अतिरिक्त खुराकें मुहैया कराए,जो अमेरिका में हम इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं।'' राजाकृष्णमूर्ति ने कोविड-19 से निपटने के लिए रणनीतियां, विशेष रूप से टीकों की आपूर्ति तक पहुंच विषय पर कहा, ''मैंने उनसे हमारी आठ करोड़ अतिरिक्त खुराकों का हिस्सा मुहैया कराने की अपील की। उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया, लेकिन अब मैं और भी बड़ा प्रस्ताव रख रहा हूं।''

सांसद ने हाल में 'द नलिफइंग ऑपर्च्यूनिटीज फॉर वेरिएंट्स टू इन्फेक्ट एंड डेसिमेट (नोविड)' विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा, ''मैं विश्व की 60 प्रतिशत आबादी के टीकाकरण के अमेरिकी कार्यक्रम का समर्थन करूंगा। यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत और अन्य देशों के समुदायों में रोग प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो।'' सांसद ने कहा, ''यह करना केवल करुणा एवं नैतिकता के आधार पर ही सही नहीं है, बल्कि ऐसा करना समझदारी भी है। यदि हम ऐसा नहीं करते हैं तो अन्य देशों में फैलने वाले कोविड-19 के अलग-अलग स्वरूप अमेरिका में भी पहुंचकर सभी को नुकसान पहुंचाएंगे। हमें इस कार्यक्रम का समर्थन करना चाहिए और हर जगह सभी की मदद करनी चाहिए, क्योंकि यदि कोविड-19 कहीं पर भी रहता है, तो यह सभी के लिए खतरा है।'' (नोविड) कानून एक विस्तृत कोरोना वायरस बचाव कार्यक्रम है जो सुनिश्चित करेगा कि अमेरिकावासी घरेलू स्तर पर कोविड-19 की एक और घातक लहर का सामना न करें। नोविड कानून के तहत, अमेरिका कोविड-19 वैश्विक महामारी के लिए अपनी वैश्विक रणनीति की निगरानी एवं समन्वय के लिए विदेश मंत्रालय के माध्यम से 19 अरब डॉलर का वैश्विक महामारी तैयारी एवं प्रतिक्रिया कार्यक्रम (पैनपीआरईपी) स्थापित करेगा। इस बीच, कृष्णमूर्ति के प्रवक्ता ने इन रिपोर्टों को खारिज किया कि इस वेबिनार का आयोजन स्वदेशी जागरण मंच ने किया था।

चीन की एक और बड़ी सफलता, अंतरिक्ष केंद्र पहुंचा मालवाहक यान

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी ने घोषणा की है कि एक स्वचालित अंतरिक्षयान चीन के नये अंतरिक्ष केंद्र पर उतर गया है। यह यान भविष्य में केंद्र तक आने वाले अंतरिक्षयानों के चालक दल के सदस्यों के लिए ईंधन और आपूर्तियां लेकर पहुंचा है। 'चाइना मैन्ड स्पेस' ने कहा तिआनझोउ-2 अंतरिक्षयान दक्षिण चीन सागर में स्थित द्वीप हैनान से प्रक्षेपित किए जाने के आठ घंटे बाद तिआन्हे अंतरिक्ष केंद्र पर पहुंचा। यह अंतरिक्ष पोशाकें, खाने-पीने की आपूर्तियां और केंद्र के लिए उपकरण एवं ईंधन लेकर पहुंचा। चीन के लगातार महत्वाकांक्षी होते अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत तियान्हे या 'हैवनली हार्मनी' देश द्वारा शुरू किया गया तीसरा और सबसे बड़ा कक्षीय केंद्र है।

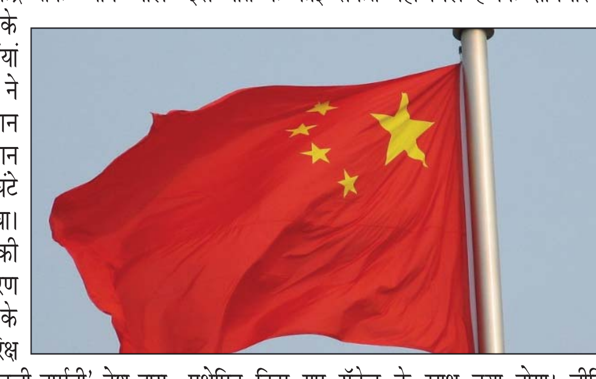

इस केंद्र का सबसे महत्त्वपूर्ण मॉड्यूल 29 अप्रैल को शुरू किया गयाथा। अंतरिक्ष एजेंसी अगले साल के अंत तक कुल 11 प्रक्षेपणों की योजना बना रही है जो इस 70 टन के केंद्र तक दो और मॉड्यूल, आपूर्तियां और तीन सदस्य चालक दलों को पहुंचाएंगे। तियान्हे का प्रक्षेपण करने वाले रॉकेट के हिस्से को अनियंत्रित होकर धरती पर गिरने देने के लिए हाल में चीन की आलोचना की गई। इस बात के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि शनिवार को प्रक्षेपित किए गए रॉकेट के साथ क्या होगा। बीजिंग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र का हिस्सा नहीं है और इसकी बड़ी वजह अमेरिका की आपत्ति है। अमेरिका चीन के कार्यक्रमों की गोपनीयता और उसके सैन्य संपर्कों को लेकर सावधान रहता है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगेतर कैरी साइमंड्स से की शादी

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनकी मंगेतर कैरी साइमंड्स शनिवार को एक छोटे निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। प्रधानमंत्री के डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय ने रविवार को इस बारे में बताया। जॉनसन के कार्यालय ने 'द मेल' और 'द सन' अखबारों में छपी खबरों की रविवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री और उनकी मंगेतर ने परिजनों और मित्रों की मौजूदगी में रोमन कैथलिक वेस्टमिंस्टर कैथेड्रल में विवाह किया है। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा, ''प्रधानमंत्री और साइमंड्स कल दोपहर वेस्टमिंस्टर कैथेड्रल में एक छोटे समारोह में विवाह के बंधन में बंध गये।''

कार्यालय ने कहा, ''दंपति अगली गर्मी में परिवार और दोस्तों के साथ अपनी शादी का जश्न मनायेगा।'' ऐसी सूचना है कि दंपति ने अपने परिवार और मित्रों को 30 जुलाई, 2022 को प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए 'सेव-द-डेट' कार्ड भेजा है। इंग्लैंड में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लगी पाबंदियों के तहत विवाह समारोह में अधिकतम 30 लोग ही शामिल हो सकते हैं। जॉनसन (56) और साइमंड्स (33) ने फरवरी 2020 में अपनी सगाई की घोषणा की थी और उनका एक वर्षीय पुत्र है। बेटे का नाम विल्फ्रेड है। यह साइमंड्स का पहला वहीं जॉनसन का तीसरा विवाह है। विवाह की खबरें आने के बाद नेताओं ने प्रधानमंत्री को बधाई संदेश भेजे हैं। इससे पहले पद पर रहते हुए प्रधानमंत्री लॉर्ड लिवरपूल ने 1822 में शादी की थी। नॉर्दर्न आयरलैंड की मंत्री आर्लेने फोस्टर ने ट्वीट किया, ''बोरिस जॉनसन और कैरी साइमंड्स को विवाह की ढेरों शुभकामनाएं।

पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ देशभर में 4 जुलाई से आंदोलन, पीडीपी ने की घोषणा

इस्लामाबाद, एएनआइ। विपक्ष के ग्यारह राजनीतिक दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने इमरान के खिलाफ अगले चरण के आंदोलन की घोषणा कर दी है। आंदोलन की शुरूआत स्वात जिले से 4 जुलाई को होगी। पीडीएम के संयोजक फजलुर रहमान ने बताया कि स्वात में 4 जुलाई को एक बड़े प्रदर्शन के बाद कराची, इस्लामाबाद व अन्य शहरों में भी प्रदर्शन किए जाएंगे। रहमान ने बताया कि इस संबंध में गठबंधन के सभी दलों के साथ बैठक कर ली गई है। बैठक में ईवीएम से चुनाव कराने की कोशिशों को भी धांधली माना गया है। विपक्षी गठबंधन ने ईवीएम से चुनाव कराने की योजना को सिरे से खारिज कर दिया है।

पाक में पत्रकार पर हमले में आइएसआइ बैकफुट पर

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्वतंत्र पत्रकार असद अली तूर पर जानलेवा हमले के कारण विदेश में हो रही आलोचना के बाद खुफिया एजेंसी आइएसआइ बैकफुट पर आ गई है। एजेंसी ने सफाई देते हुए कहा है कि यह उसको बदनाम करने की सुनियोजित साजिश है। पत्रकार तूर ने बताया था कि हमलावरों ने कहा था कि वह आइएसआइ से हैं। पाक के पत्रकारों ने कहा है कि अब तूर की आवाज बंद करने की कोशिश की जा रही है।

कनाडा के एक स्कूल में मिले 200 से अधिक शव, कुछ की उम्र तीन साल

कमलूप्स (ब्रिटिश कोलंबिया)। कनाडा में एक स्कूल से 215 बच्चों के शव मिले हैं जिनमें से कुछ की उम्र तो करीब तीन साल होगी। यह कभी कनाडा का सबसे बड़ा आवासीय विद्यालय हुआ करता था। ब्रिटिश कोलंबिया के सैलिश बोलने वाले एक समूह फर्स्ट नेशन की प्रमुख रोसेन कैसमिर ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि जमीन के नीचे की वस्तुओं का पता लगाने वाले रडार की मदद से गत सप्ताहांत ये शव मिले। उन्होंने शुक्रवार को बताया कि और शव मिल सकते हैं क्योंकि स्कूल के मैदान पर और इलाकों की तलाशी ली जानी है। उन्होंने कहा कि ये शव एक ऐसी क्षति है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती और कमलूप्स इंडियन रेजीडेंशियल स्कूल के दस्तावेजों में कभी इसका जिक्र नहीं किया गया। गौरतलब है कि 19वीं सदी से 1970 के दशक तक फर्स्ट नेशन के 150,000 से अधिक बच्चों को उन्हें कनाडाई समाज में अपनाने के कार्यक्रम के तौर पर सरकार के वित्त पोषण वाले ईसाई स्कूलों में पढ़ना होता था। उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तन के लिए विवश किया जाता और अपनी मातृ बोलने नहीं दी जाती थी।

कई बच्चों को पीटा जाता था तथा उन्हें अपशब्द कहे जाते और ऐसा बताया जाता है कि उस दौरान 6,000 बच्चों की मौत हो गयी थी। ट्रूथ एंड रिकांसिलिएशन कमीशन ने पांच वर्ष पहले संस्थान में बच्चों के साथ हुए दुर्व्यवहार पर विस्तृत रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया गया कि दुर्व्यवहार एवं लापरवाही के कारण कम से कम 3200 बच्चों की मौत हो गई। इसमें बताया गया कि कैमलूप्स स्कूल में 1915 से 1963 के बीच कम से कम 51 मौत हुई थी। कनाडाई सरकार ने 2008 में संसद में माफी मांगी थी और स्कूलों में शारीरिक तथा यौन शोषण की बात स्वीकार की थी। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रमुख नेता जॉन होर्गन ने कहा कि इन शवों के मिलने के बारे में जानकर वह फ्रभयभीतफ्र हैं और उनका ''दिल टूट गया है।'' कैमलूप्स स्कूल 1890 से 1969 तक संचालित हुआ था। इसके बादसंघीय सरकार ने कैथोलिक चर्च से इसका संचालन अपने हाथों में ले लिया। यह स्कूल 1978 में बंद हो गया।

एंटीगुआ में विपक्ष को पैसे खिला रहा भगोड़ा मेहुल चोकसी, पीएम गैस्टन ब्राउन ने लगाए गंभीर आरोप

एंटिगुआ। (एजेंसी)।

भारत के भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को लेकर एंटीगुआ और बारबुडा में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन ने चोकसी का समर्थन करने के लिए विपक्षी यूनाइटेड प्रोग्रेसिव पार्टी (यूपीपी) पर पलटवार करते हुए शनिवार को चोकसी से पैसे लेने का आरोप लगाया है। गैस्टन ने कहा, 'मेरे प्रशासन पर मेहुल चौकसी को शरण देने का आरोप लगाने के बाद वे अब इस भगोड़े को बचाने के लिए अभियान चलाने के लिए उससे पैसे की की मांग कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा, ÷हम चोकसी की नागरिकता रद्द करने और साथ ही साथ आपराधिक आरोपों का सामना करने के लिए भारत में उसके प्रत्यर्पण को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ हैं। मेरे प्रशासन द्वारा उनकी नागरिकता रद्द करने के निर्णय के बावजूद चोकसी की कानूनी और संवैधानिक सुरक्षा का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।÷

यूनाइटेड प्रोग्रेसिव पार्टी ने प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन को याद दिलाया कि प्रत्येक नागरिक संवैधानिक संरक्षण और कानून की उचित प्रक्रिया का हकदार है। यूपीपी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया कि सामान्य कानूनी और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से भारत में प्रत्यर्पण का सामना कर रहे चोकसी ने आरोप लगाया कि उनका अपहरण कर लिया गया और उनकी इच्छा के विरुद्ध डोमिनिका ले जाया गया।

प्रधानमंत्री ब्राउन ने संकेत दिया था कि डोमिनिका को चोकसी को सीधे भारत भेज देना चाहिए और उसे एंटीगुआ और बारबुडा नहीं लौटाना चाहिए क्योंकि यहां वह संवैधानिक अधिकारों द्वारा संरक्षित होगा। यह कहते हुए कि देश इस मामले पर अदालत के अधिकार क्षेत्र का पूरी तरह से सम्मान करता है, ब्राउन ने कहा कि एक वैश्वीकृत दुनिया में अपराधियों से लड़ने और उन्हें हराने के लिए राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता है। अपराधियों की सुरक्षा और उन्नति के लिए राज्य तंत्र का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहास 'हम एक वैश्वीकृत दुनिया में रहते हैं जहां अपराधियों से लड़ने और उन्हें हराने के लिए राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है। अपराधियों को उनके आपराधिक आचरण की सुरक्षा और उन्नति के लिए राज्य तंत्र के उपयोग से वंचित किया जाना चाहिए। यही कारण है कि हम डोमिनिका सरकार को चोकसी को भारत को सौंपने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने आगे एक भगोड़े को पकड़ने के लिए राज्य के सहयोग के रूप में चोकसी के भारत को सीधे सौंपने पर विचार करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'हम इस मामले में अदालत के अधिकार क्षेत्र का सम्मान करते हैं। राज्य की ओर से मेरा अनुरोध, डोमिनिका के लिए चोकसी को सीधे भारत भेजने पर विचार करना, एक भगोड़े को पकड़ने के लिए राज्य के सहयोग के रूप में, पूरी तरह से स्वीकार्य है।' उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें (मेहुल चोकसी को) एंटीगुआ भेजा जाता है, तो उन्हें नागरिकता के कानूनी और संवैधानिक संरक्षण का लाभ मिलता रहेगा। ब्राउन ने पिछले हफ्ते कहा था कि अगर चोकसी देश छोड़कर भाग जाता है तो उसकी नागरिकता रद्द कर दी जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन साल पहले मृत व्यक्तिको वैक्सीनेशन के साथ ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी जारी हो गया

क्रांति समय दैनिक

राजकोट,उपलेटा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक व्यक्ति जिसकी तीन साल पहले मौत हो गई थी, उसको टीका लगाए जाने के साथ ही ३ मई को वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट ऑनलाइन जारी कर दिया गया। यह प्रशासन की लापरवाही है या टीकाकरण में धांधली यह जांच का विषय है। राजकोट जिले के उपलेटा शहर में पोरबंदर रोड स्थित आम्रपाली सोसायटी में रहनेवाले हरदासभाई देवायतभाई कंगरिया की 3 साल पहले उस वक्तमौत हो गई थी, जब कोरोना का नामोनिशां नहीं था। 20 अगस्त 2018 को हरदासभाई की मौत के बारे में उपलेटा नगर पालिका में पंजीकरण भी कराया गया था और उस वक्त उनका डेथ सर्टिफिकेट भी दे दिया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि तीन साल पहले परलोग सिधार गए हरदासभाई को 3 मई 2021 को उपलेटा के सूरजवाडी में कोरोना का टीका लगाया गया। काजल सिंध नामक स्वास्थ्यकर्मी ने हरदासभाई को टीका लगाया होने का सर्टिफिकेट भी जारी किया गया। सवाल यह है कि जिस व्यक्तिकी 3 साल पहले मौत हो गई थी और उसका डेथ सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया था, उसे कोरोना

टीका कैसे लगाया गया? यह प्रशासन की लापरवाही है या योजना के तहत वैक्सीन की हेराफेरी हो रही है? क्या मृतक के नाम पर दर्ज वैक्सीन की कालाबाजारी की जा रही है? यदि ऐसी वैक्सीन कालाबाजारी की जा रही है तो इसमें कौन कौन लोग शामिल हैं? दरअसल मृतक हरदासभाई करंगिया पुत्र संदीप करंगिया ने कोरोना का टीका लगवाने के लिए अपने मोबाइल से रजिस्ट्रेशन करवाया था। जिसमें संदीप ने गलती से अपने परिवार के सभी लोगों के नाम के साथ मृत पिता के नाम का भी पंजीकरण करवा दिया था। संदीप ने टीकाकरण के लिए तारीख देखने के लिए जब वैक्सीनेशन की वेबसाइट खोली तो उसमें उसके पिता को कोरोना का टीका लगा दिया होने का खुलासा हुआ। इतना ही नहीं उसके पिता हरदासभाई करंगिया के कोरोना का टीका लगवाने का सर्टिफिकेट भी ऑनलाइन जारी कर दिया गया। जिसे देख संदीप करंगिया भी हैरान रह गया। ऐसी ही एक घटना पंचमहल जिले के गोधरा से भी सामने आ चुकी है। ऐसी घटनाओं की जांच के बाद ही वास्तविकता सामने आएगी।

दो और फर्जी डॉक्टर धरे गए, बगैर किसी डिग्री कर रहे थे एलोपैथिक इलाज

क्रांति समय दैनिक

पंचमहल एसओजी ने कालोल से दो फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया है, जो बगैर किसी डिग्री मरीजों का ऐलोपैथिक इलाज कर रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल से 96 हजार रुपए कीमत की एलोपैथिक दवाईयां और

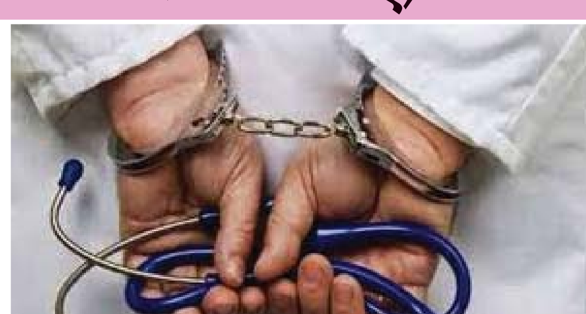

मेडिकल इंस्ट्रूमेंट इत्यादि भी जब्त कर लिया। कोरोना महामारी जैसे आपदा के इस अवसर में फर्जी डॉक्टर अपने अवसर तलाश रहे हैं। इससे पहले गोधरा और राजकोट से भी फर्जी डॉक्टर पकड़े गए हैं। दरअसल राज्य के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने ऐसे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ एक खास मुहिम चलाने का आदेश दिया है। आज पंचमहल की कालोल तहसील के एराल से एसओजी ने दो फर्जी को डॉक्टरों को दबोच लिया। पकड़े गए फर्जी डॉक्टर पश्चिम बंगाल के हैं और दोनों के पास कोई डिग्री नहीं है। इसके बावजूद दोनों मरीजों का एलोपैथिक उपचार कर रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल से 96 हजार रुपए की एलोपैथिक दवाईयां और मेडिकल स्ट्रूमेंट इत्यादि जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

जूनागढ़ की दो बहनें इस्त्राइली सेना में शामिल, एक यूनिट की हेड

क्रांति समय दैनिक

विश्व की शक्तिशाली सेना में शुमार इस्त्राइली सेना में शामिल होकर जूनागढ़ की दो बहनों ने गुजरात का नाम रोशन किया है। जूनागढ़ जिले की माणावदर तहसील के कोठडी गांव निवासी जीवाभाई मुलियासिया और उनके भाई सवदासभाई मुलियासिया इस्त्राइल के तेलअविव किराना की दुकान चलाते हैं। मेर परिवार की बेटियां निशा और रिया इस्त्राइली सेना में सेवारत हैं। निशा मुलासिया इस्त्राइल सेना में स्थान पाने

वाली पहली गुजराती महिला है। फिलहाल निशा इस्त्राइल सेना के डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन एड साइबर सिक्युरिटी विभाग में सेवारत है। साथ ही वह फ्रंटलाइन यूनिट के बतौर हेड कार्यरत है। निशा के बाद रिया ने भी सेना में शामिल होने का फैसला किया और वह फिलहाल इस्त्राइली सेना में प्री सर्विस में है जो कमांडो समकक्ष ट्रेनिंग मानी जाती है। 3 महीने की ट्रेनिंग के रिया को अलग अलग परीक्षा देनी होगी, जिसमें सफल रही तो उसे सेना में शामिल किया जाएगा।

सार—समाचार

गांधीनगर महानगर पालिका चुनाव के लिए फिलहाल उचित समय नहीं : मुख्यमंत्री

गांधीनगर महानगर पालिका के चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज स्पष्ट किया कि फिलहाल इसके लिए उचित समय नहीं है। राज्य में अब भी 2000 जितने कोरोना के मामले आ रहे हैं। आगामी समय में राज्य चुनाव आयोग स्थिति के मुताबिक चुनाव के बारे में फैसला करेगा। पीएम मोदी के नेतृत्ववाली केन्द्र की एनडीए सरकार के सात साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य ''सेवा ही संगठन'' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। गांधीनगर शहर भाजपा की ओर से जरूरतमंदों को फ्रूट और किट का वितरण किया गया। गांधीनगर के वावोल गांव में मुख्यमंत्री ने 25 लोगों को प्रतीक स्वरूप किट का वितरण किया। इस मौके पर गांधीनगर महानगर पालिका चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में बीते दिन 2200 जितने केस दर्ज हुए थे। गांधीनगर महानगर पालिका के चुनाव जब स्थगित किए गए थे, उस वक्त700 से 1000 जितने केस थे। जिसे देखते हुए चुनाव आयोग ने गांधीनगर का चुनाव स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि गांधीनगर महानगर पालिका की 18 अप्रैल 2021 को चुनाव होने वाले थे। लेकिन कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ता देख सरकार ने राज्य चुनाव आयोग ने गांधीनगर का चुनाव स्थगित करने की पेशकश की थी। राज्य के निर्वाचन आयोग ने सरकार की इस पेशकश को स्वीकार करते हुए चुनाव स्थगित करने का फैसला किया था।

कोरोना से बेसहारा हुए बच्चों का सहारा बनेगी राज्य सरकार, हर महीने देगी ४००० रुपए

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने विश्व व्यापी महामारी कोरोना काल में बेसहारा अनाथ बने बच्चों की वेदना के प्रति संवेदना दर्शाते हुए ऐसे बच्चों को आर्थिक सहारा सहित पढ़ाई और भविष्य में करियर निर्माण की सहायता के लिए 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' की महत्वपूर्ण घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सात वर्ष पूरे होने के अवसर पर संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ बेसहारा-अनाथ बच्चों को आर्थिक सहारा और भावी करियर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री ने कोरोना के कारण अपने माता-पिता गंवाने वाले बच्चों के प्रति संपूर्ण संवेदनशीलता के साथ उनके भविष्य का विचार करते हुए पीएम केयर फंड से जिस सहायता की घोषणा की है उसके लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बधाई दी है। गुजरात में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान सरकार ने भी नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सात वर्ष पूरे होने की पूर्व संध्या पर गुजरात में अनाथ बच्चों को आर्थिक सहारा और उनके भविष्य के लिए 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' की घोषणा की है।

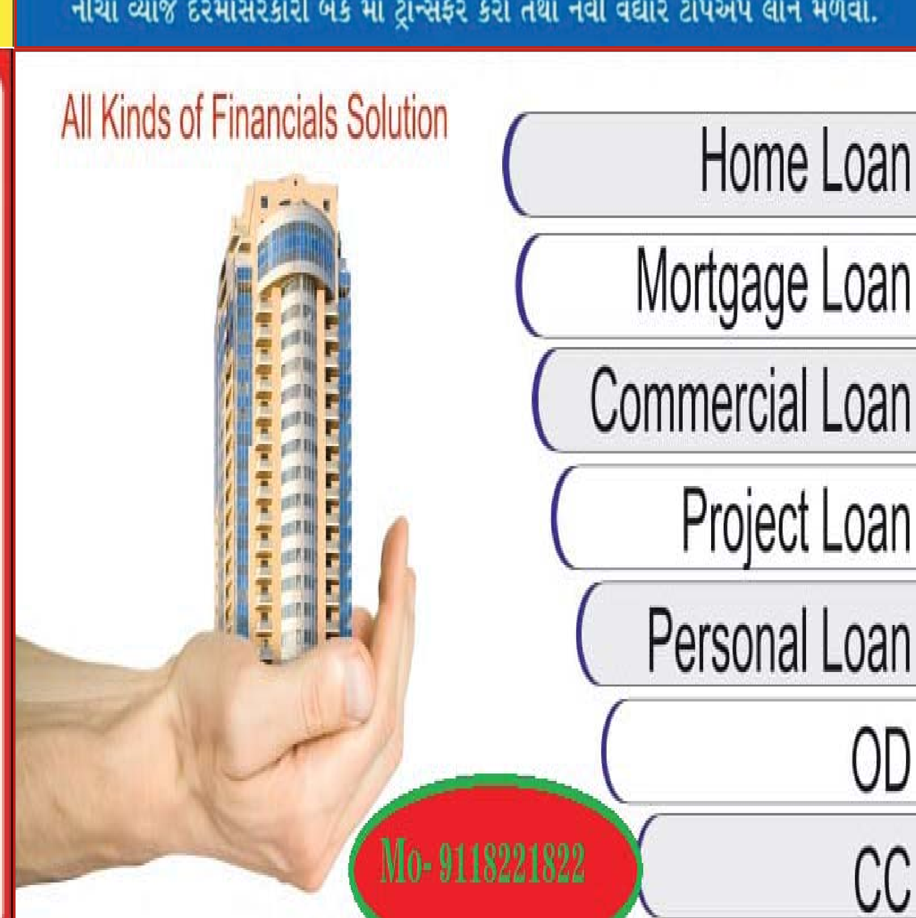

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा

जून में उपलब्ध होगी 12 करोड़ टीकों की खुराक

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई को जीतने के लिए जल्द से जल्द सभी नागरिकों का टीकाकरण जरूरी है। हालांकि, देश में कोरोना वैक्सीन की काफी किल्लत है। टीके की कमी के कारण कई राज्यों में टीकाकरण कार्य या तो धीमा हो चला है या फिर कुछ दिन के लिए रोक दिया गया। वहीं, कई जगहों पर 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को दी जाने वाली कोविड वैक्सीनेशन की सुविधा बीच में ही रोकनी पड़ी। हालांकि, अब टीकों की भारी कमी की समस्या को खत्म करने के लिए केंद्र सरकार ने अहम फैसला लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि देश में जून माह में वैक्सीनेशन अभियान को गति देने के लिए कोरोना टीकों की करीब 12 करोड़ खुराक उपलब्ध होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि देश में कोविड-19 टीके की अभी तक दी गई खुराक की कुल संख्या बढ़कर 21 करोड़ से अधिक हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को 18-44 वर्ष आयु वर्ग के 14 लाख 15 हजार 190 लोगों को पहली खुराक दी गई और इसी समूह के 9,075 लोगों को कोरोना टीके की दूसरी खुराक दी गई। मंत्रालय ने कहा कि टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से देशभर में कुल मिलाकर 1 करोड़ 82 लाख 25 हजार 509 लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है।

- 21 करोड़ 18 लाख से ज्यादा लोगों को लगे कोरोना के टीके

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि बिहार, दिल्ली, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 18-44 वर्ष आयु वर्ग के 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि शाम 7 बजे की अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल मिलाकर 21 करोड़ 18 लाख 39 हजार 768 खुराकें दी गई हैं। इस संख्या में से 98 लाख 61 हजार 648 हेल्थ केयर वर्कर (एचसीडब्ल्यू) शामिल हैं, जिन्होंने अपनी पहली खुराक ली है और 67 लाख 71 हजार 436 एचसीडब्ल्यू ने दूसरी खुराक ली है। वहीं 1 करोड़ 55 लाख 53 हजार 395 फ्रंट लाइन वर्कर (एफएलडब्ल्यू) हैं, जिन्होंने अपनी पहली खुराक ली है जबकि 84 लाख 87 हजार 493 एफएलडब्ल्यू ने दूसरी खुराक ली है। इसमें 18-44 वर्ष की आयु के 1 करोड़ 82 लाख 25 हजार 509 और 9,373 लोग भी हैं, जिन्होंने क्रमशः पहली खुराक और दूसरी खुराक प्राप्त की है। मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि 45-60 वर्ष आयु वर्ग के 6 करोड़ 53 लाख 51 हजार 847 और 1 करोड़ 5 लाख 17 हजार 121 लाभार्थियों ने क्रमशः पहली खुराक और दूसरी खुराक ली है।

पंजाब में 50 लाख लोगों का किया गया वैक्सीनेशन, 7.5 लाख से ज्यादा लोगों को लगीं दोनों खुराकें

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

कोरोना महामारी से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरु किए गए 'मिशन फतेह' प्रोग्राम के अंतर्गत पंजाब में अब तक 50 लाख से ज्यादा लोगों का टीकाकरण किया गया है। इनमें 7.5 लाख से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जिन्हें वैक्सीन की दोनों खुराकें लगाई जा चुकी हैं। टीकाकरण संबंधी स्टेट नोडल अफसर विकास गर्ग ने बताया कि पंजाब में कोविड के टीकों की कुल 50,05,767 डोज लोगों को दी जा चुकी हैं। गर्ग ने बताया कि राज्य में 45 साल से अधिक उम्र वर्ग, फ्रंटलाईन और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए भारत सरकार द्वारा मिले टीकों के कोटे में से 45,53,187 टीके लगाए गए हैं, जबकि राज्य सरकार द्वारा 18-44 उम्र वर्ग के बनाए गए सभी प्राथमिक ग्रुपों के कुल 4,52,580 टीके लगाए लगाए जा चुके हैं। इस तरह आज तक कुल 50,05,767 डोज दिए जा चुके हैं।टीकाकरण के आंकड़े विस्तार में देते हुए स्टेट नोडल अफसर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा दिए गए कोटे की लगाई गईं 45,53,187 खुराकों में से कोविशील्ड लगाने वाले 41,40,179 हैं, जबकि कोवैक्सीन लगवाने वाले 4,13,008 लोग हैं। इनमें पहली खुराक लेने वाले 38,01,062 और दूसरी खुराक लेने वाले 7,52,125 शामिल हैं। वर्गों की बात करें तो 45 साल से अधिक उम्र वालों की संख्या सबसे अधिक 32,83,848 है, जिन्होंने टीके लगवाए हैं। जब कि फ्रंटलाइन वर्कर्स की संख्या 9,63,881 और स्वास्थ्य कर्मियों की 3,05,458 है। इनमें निजी तौर पर टीके लगवाने वालों की संख्या 28,958 भी शामिल है, जिनमें कोविशील्ड वाले 21625 और कोवैक्सीन वाले 7343 शामिल हैं। गर्ग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 18-44 साल वर्ग के लिए बनाए गए प्राथमिक ग्रुपों में से 86,581 सह-रोगों वालों समेत 2520 जेल कैदी, 301981 निर्माण कामगार और उनके परिवार वाले, 64395 स्वास्थ्य कर्मियों के परिवार वाले और 1103 निजी औद्योगिक कामगारों को टीके लगाए जा चुके हैं। इन सभी की कुल संख्या 4,52,580 बनती है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य ने 13.25 करोड़ रुपए की लागत से कोविशील्ड की 4.29 लाख खुराकें और 4.70 करोड़ रुपए की लागत के साथ कोवैक्सीन की 1,14,190 खुराकें खरीदी हैं।

जंग की बदलती प्रकृति को देखते हुए तीनों सेनाओं की एकजुटता अहमः नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली।

नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने कहा, पहले के मुकाबले आज के समय में जंग की बदलती प्रकृति को देखते हुए तीनों सैन्य बलों की एकजुटता ज्यादा अहम हो जाती है। पुणे के खड़कवासला में शनिवार सुबह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में अकादमी के 140वें पाठ्यक्रम के पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा, युद्ध की प्रकृति बदल रही है और थल, जल, वायु, अंतरिक्ष और साइबर जैसे सभी क्षेत्रों में कई विपरीत परिस्थितियों में इसकी भागीदारी अहम हो जाती है। उन्होंने कहा कि सैन्य मामलों के विभाग, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जैसे पद की शुरुआत के साथ महत्वपूर्ण रक्षा सुधार हुए हैं और जल्द ही थियेटर कमान (सेना के तीनों अंगों की भागीदारी वाला कमान) का गठन होगा। उन्होंने कहा कि तीनों सेवाओं की विशिष्ट भूमिका के लिहाज से प्रत्येक सेवा की परंपराएं, पहचान, वर्दी और तौर-तरीकों की उपयोगिता है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि एनडीए 72 साल से एकजुटता का प्रतीक रहा है। इसका अस्तित्व एकजुटता के मौलिक मूल्यों पर आधारित है, जो अकादमी के आधारभूत सिद्धांत हैं। एडमिरल करमबीर सिंह ने कहा कि आप सभी को यह याद रखना चाहिए कि भविष्य का युद्ध चाहे कितना भी विकसित क्यों न हो प्रभावी नेतृत्व के लिए कुछ व्यक्तिगत क्षमताएं और गुण अहम होते हैं।

166 अतिरिक्त हरित क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देश के अतिरिक्त 166 हरित क्षेत्रों में एनपीएनटी यानी 'नो परमिशन-नो-टेकऑफ' का अनुपालन करने वाले ड्रोन के संचालन को मंजूरी दे दी है। स्वीकृत स्थलों पर भू स्तर से 144 फीट ऊपर ड्रोन के संचालन की अनुमति होगी। अब तक सिर्फ 66 हरित क्षेत्र में ही ड्रोन संचालन की अनुमति थी।डीजीसीए के मुताबिक एनपीएनटी अनुपालन के तहत, रिमोट से चलने वाले प्रत्येक एयरक्राफ्ट (नैनो को छोड़कर) को भारत में संचालन से पहले डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म के माध्यम से वैध अनुमति लेनी होती है। इस प्रावधान के तहत उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है जोकि दूर से संचालित विमान के लिए राष्ट्रीय मानव रहित यातायात प्रबंधन प्रणाली के रूप में कार्य करता है। इन स्वीकृत हरित क्षेत्रों में उड़ान भरने के लिए केवल डिजिटल स्काई पोर्टल या एप के माध्यम से उड़ानों के समय और स्थान की सूचना देनी जरूरी होती है।

चक्रवाती तूफान में फंसे जहाज से लगातार हो रहा तेल का रिसाव, निगरानी के लिए भेजे गए दो हेलिकॉप्टर

पालघर (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में पालघर तट के पास बजरे 'गाल कंस्ट्रक्टर' से लगातार तेल का रिसाव हो रहा है। यह पोत मई के मध्य में आए चक्रवाती तूफान तौकते के दौरान भारी बारिश और तेज हवा में समुद्र में फंस गया था। इस जहाज की निगरानी के लिए दो कोर्ट गार्ड हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं। इससे 50 मीटर क्षेत्र में तेल का फैलाव दिखा है। एक बयान में बताया गया है कि 'गाल कंस्ट्रक्टर' पर 78 किलो लीटर हाई फ्लैश हाई स्पीड डीजल (एचएफएचएसडी) था, लेकिन इस पर कच्चा तेल नहीं था। शिप के अंदर क्रेन ऑपरेट करने वाले कर्मचारी एहसान खान ने बताया कि शिप के अंदर करीब 80 हजार लीटर डीजल है, जिसे निकालने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि पत्थर से टकराने की वजह से जहाज में छेद हो गया और इस वजह से पूरे इंजन में पानी भर गया था। साइक्लोन वाले दिन अलीबाग से यह जहाज बहते-बहते पालघर पहुंच गया। उस दिन यहां बड़ी-बड़ी लहरें टकरा रही थी। हमने जो एंकर लगाया था वह भी भीषण तूफान में टूट गया था।

जहाज में 137 लोग सवार थे, जिन्हें हेलिकाप्टर से रेस्क्यू किया गया था। उन्होंने कहा उस समय मन में डर बैठ गया था कि अब हम नही बचेंगे, लेकिन जब यहां जहाज टकराया और रुका तब जान में जान आई कि हम अब बच जाएंगे। पूरे रास्ते में जहाज पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं था। हम लहरों के सहारे बहते चल रहे थे। जहाज पर मौजूद 80 हजार लीटर डीजल की वजह से समुद्री जीव-जंतुओं के लिए खतरा बढ़ गया है। जहाज अलीबाग से बहते बहते पालघर के समुद्री छोर पर आ गया है। यहां पथरीली जमीन है, समुद्र के किनारे पर पत्थर होने की वजह से जहाज यहां फंस गया। इस जहाज में कुल 137 लोग सवार थे जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया है। यह शिप दास ऑफ शोर और एफकोर्न की है। कंपनी की तरफ से कोशिश की जा रही है कि ऑयल लीक न हो। इसके साथ ही कवच लगाया गया है कि लीकेज ऑयल ज्यादा समुद्र में न फैले।

वैक्सीनेशन कराओ, वरना नहीं मिलेगी सेलरी, फिरोजाबाद के जिलाधिकारी ने सुनाया फरमान

फिरोजाबाद (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश को कोरोना मुक्त करने के संकल्प को पूरा करने के लिए योगी सरकार ने मुफ्त टीकाकरण को लेकर 1 जून से महाअभियान की योजना बनाई है। उधर, फिरोजाबाद के जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने निर्देश दिया हैं कि 3 दिन में टीकाकरण का प्रमाण पत्र जमा कराओ वरना इस बार सेलरी नहीं मिलेगी। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से कहा, वैक्सीनेशन नहीं हुआ है तो सबसे पहले वैक्सीनेशन कराएं। साथ ही उसका प्रमाण पत्र ट्रेजरी ऑफिस में जमा कराएं। अन्यथा किसी भी स्थिति में कर्मचारी का वेतन नहीं निकलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि बहुत से कर्मचारियों ने अब तक वैक्सीनेशन नहीं करवाया है जिसको लेकर यह निर्देश दिया गया है। जानकारी के अनुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ प्रभा शंकर ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि सभी कर्मचारी अपना कोविड प्रमाण पत्र 3 दिन के अंदर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत करें। इस पत्र के जारी होते ही सभी अधिकारी और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और लोगों में वैक्सीन लगवाने की होड़ शुरू हो गई। इससे पहले यूपी के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश की बड़ी जनसंख्या को सुरक्षित रखने के लिए यूपी सरकार ने राज्य के सभी 75 जनपदों में बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इस अभियान में 18 साल से अधिक और 45 साल से अधिक आयु के लगभग 1 करोड़ लोगों को टीका लगाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव सूचना के मुताबिक एक जून के प्रदेश में टीकाकरण का व्यापक महत्वाकांक्षी लक्ष्य आरम्भ किया जाएगा।

आसाराम के आयुर्वेदिक इलाज की मांग पर हाईकोर्ट ने कहा पूरी मेडिकल हिस्ट्री दे जेल प्रशासन

जोधपुर (एजेंसी)।

यौन शोषण मामले में आजीवन कारावास की सज़ा काट रहे स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु आसाराम बापू के स्वास्थ्य संबंधी तमाम रिकॉर्ड्स उनके बेटे नारायण साई को उपलब्ध करवाए जाने के आदेश राजस्थान उच्च न्यायालय ने दिए हैं। वास्तव में, साई ने अपने पिता के आयुर्वेदिक इलाज की अनुमति के लिए एक रिट याचिका दाखिल की थी, जिस पर हाई कोर्ट की जस्टिस अरुण भंसाली की एकल बेंच ने यह आदेश संबंधित जेल प्रशासन को जारी करते हुए कहा कि दो दिनों के भीतर आसाराम के सभी मेडिकल रिकॉर्ड उपलब्ध करवाए जाएं। अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 7 जून की तारीख तय की गई है। साई के वकीलों संजीव पुनालेकर और तेजसिंह गुर्जर ने बेंच को बताया कि 18 मई के आदेश के तहत याचिकाकर्ता को मेडिकल रिपोर्ट मुहैया करवाई गई थी, लेकिन उसमें ज़रूरी जानकारियां नहीं दी गई थीं। इसके चलते साई को अपने पिता के स्वास्थ्य व इलाज संबंधी सही आयुर्वेदिक इलाज लेने के संबंध में सलाह लेना मुमकिन नहीं हुआ। इस मामले में हाई कोर्ट ने पूरी रिपोर्ट देने का आदेश दिया। आखिर क्यों मांगी गई रिपोर्ट? जानकारी के मुताबिक जोधपुर की केंद्रीय जेल में बंद आसाराम को कोविड 19 संक्रमण हुआ था, जिसके चलते उन्हें एमडीएम अस्पताल और बाद में जोधपुर एम्स में भर्ती करवाया गया था। इस मामले में एक याचिका दाखिल करते हुए साई ने कहा था कि उनके पिता को लंबे समय से आयुर्वेदिक इलाज ही सूट करता है, इसलिए एलोपैथी की जगह आयुर्वेद इलाज के लिए इजाज़त दी जाए। इस मामले में कोर्ट ने चाहे गए मेडिकल ट्रीटमेंट के बारे में आदेश दिए थे।

मोदी सरकार के 7 साल पूरे

पीएम के मार्गदर्शन में देश का आत्मविश्वास जागाः जेपी नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में रविवार को मोदी सरकार के सात साल पूरे होने के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का आत्मविश्वास जागा। देश आत्मनिर्भर की राह पर चल पड़ा है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी जमकर हमला बोला। नड्डा ने कहा कि कुछ लोग साधक होते हैं और कुछ लोग बाधक। नड्डा ने कहा कि आज जो कोविड वैक्सीन पर हल्ला कर रहे हैं, ये वही लोग हैं, जिन्होंने वैक्सीन पर रिसर्च होने के वक्त भारत के आत्मविश्वास को तोड़ने काम किया।वैक्सीन के ट्रायल पर विपक्षी सवाल उठाते थे, इसे भाजपा की वैक्सीन कहते थे। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग साधक होते हैं और कुछ लोग बाधक होते हैं। साधक का काम है साधना करना और हमें पता है कि बाधा पहुंचाने वाले भी हमेशा मिलेंगे, लेकिन हमें अपने रास्ते से डिगना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना के कारण अपने परिजनों को खोने वाले बच्चों के लिए विशेष योजना बनाई है। योजना के तहत उन्हें 18 वर्ष के आयु के बाद मासिक भत्ता दिया जाएगा। 23 वर्ष की आयु के बाद 10 लाख रुपये की राशि दी मिलेगी और मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी।

- आरोप, स्वास्थ्य के वादे कर झाड़ लिया पल्ला

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि कुछ लोग हमारे ऊपर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहेंगे। ये वो लोग हैं, जो कभी वैक्सीन पर देश का मोरल तोड़ते थे, जिन्होंने मोहल्ला क्लीनिक, प्रशासन पर बड़ी-बड़ी बात कही थीं, लेकिन जब कोरोना काल आया तो सारा विषय केंद्र सरकार पर छोड़ दिया। नड्डा ने कहा कि देश का मनोबल तोड़ने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने कोरोना को लेकर गैर जिम्मेदाराना बयान दिए। कभी लॉकडाउन पर सवाल खड़े किए, कभी वैक्सीन पर रिसर्च के समय भी कई सवाल उठाए।उन्होंने कहा कि इस विपत्ति काल में हमारे बहुत से लोगों को तकलीफ हुई है, वो हम सबकी और सारे समाज की तकलीफ है। लेकिन जिस नीयत और ताकत के साथ पीएम मोदी जी ने इस देश को आगे बढ़ाने और इस संक्रमण से लड़ने का निश्चय किया है, निश्चित रूप से हमें इसमें सफलता मिलेगी।

- सेवा दिवस पर एक लाख गांवों में भाजपा कार्यकर्ता करेंगे मदद

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को एक प्रधान सेवक के रूप में देश की सत्ता को संभालते हुए आज 7 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भाजपा कोरोना संक्रमण काल में इसे सेवा दिवस के रूप में मना रही है। आज एक लाख गांवों और बस्तियों में भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता सेवाभाव से जरूरतमंदों की सेवा करते हुए उनकी उनकी हर मुसीबत को सुलझाने के लिए प्रयासरत हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि चाहे वो राहत सामग्री हो, राशन किट हो, भोजन की व्यवस्था हो, बुजुर्गों को दवाएं पहुंचानी हो और इसके साथ-साथ उनकी टेस्टिंग करानी हो, ऑक्सीजन या अन्य चीजों की व्यवस्था करनी हो। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता इस काम में तल्लीन हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 से अनाथ बच्चों का डाटा ऑनलाइन ट्रैकिंग पोर्टल पर होगा अपलोड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 109 के अंतर्गत एक निगरानी प्राधिकरण के रूप में अपने कार्य को आगे बढ़ाते हुए और कोविड-19 से प्रभावित बच्चों से संबंधित बढ़ती समस्या को देखते हुए देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग पोर्टल **"Bal Swaraj (Covid-Care Link)"** तैयार किया है। आयोग का यह पोर्टल देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए ऑन लाइन ट्रैकिंग तथा डिजिटल रियल टाइम व्यवस्था के उद्देश्य से बनाया गया है। आयोग ने इस पोर्टल के उपयोग को कोविड-19 के दौरान माता-पिता या उनमें से किसी एक को खो देने वाले बच्चों की ट्रैकंग के लिए बढ़ाया है और संबंधित अधिकारी/ विभाग द्वारा ऐसे बच्चों का डाटा अपलोड करने के लिए **"Covid care"** के नाम से लिंक प्रदान किया है। जिन बच्चों ने पारिवारिक समर्थन खो दिया है या निर्वाह के किसी भी स्पष्ट साधन के बिना हैं, वे किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 2(14) के अंतर्गत देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे हैं और ऐसे बच्चों के लिए अधिनियम के तहत दी गई सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए ताकि बच्चों की भलाई और सर्वोत्तम हित सुनिश्चित किया जा सके। **"Bal Swaraj-COVID-Care"** पोर्टल का उद्देश्य बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष बच्चों को पेश किए जाने से लेकर उनके माता-पिता/अभिभावक/रिश्तेदारों को सौंपने और उसके बाद की कार्रवाई तक कोविड-19 से प्रभावित बच्चों की ट्रैकिंग करना है। प्रत्येक बच्चे के लिए जिला अधिकारियों और राज्य के अधिकारियों द्वारा पोर्टल में भरे गए डाटा के माध्यम से आयोग इस बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होगा कि क्या बच्चा अपनी पात्रता, लाभ और मौद्रिक लाभ प्राप्त करने में सक्षम है जिसके लिए बच्चा हकदार है।

रिश्वत मामलाः सीबीआई ने भोपाल में जब्त किए 3 करोड़ रु, सोने के जेवर

नई दिल्ली । सीबीआई ने भोपाल में रिश्वत मामले में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के 4 अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद तलाशी के दौरान तीन करोड़ रुपये नकद, आभूषण और एक नोट गिनने की मशीन बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि एक मंडल प्रबंधक समेत चार अधिकारियों को कथित रूप से एक कंपनी के लंबित बिलों को जारी करने के एवज में डेढ़ लाख रुपये रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तार किया गया। सीबीआई प्रवक्ता आरसी जोशी ने बताया कि भोपाल में छापे के दौरान इन लोगों के पास से तीन करोड़ नकद, एक किलो सोने व चांदी के जेवर और एक नोट गिनने वाली मशीन जब्त की गई। ये पैसे लकड़ी की अलमारी की तिजोरी में बंद थे। इनके पास से एक डायरी भी मिली है जिनमें रिश्वत देने वालों के नाम लिखे हैं। जब्त की गई नकदी को अलग-अलग लिफाफों में रखा गया था जिनमें कुछ पर देने वाली पार्टियों के नाम, तारीख लिखी थी.

दक्षिण पश्चिमी मानसून के 5 जून तक गोवा पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली। केरल में दक्षिण पश्चिम में मानसून के 31 मई तक पहुंचने की उम्मीद है और यह 5 जून तक गोवा पहुंचेगा। यह जानकारी शनिवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दी। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक राहुल एम. ने कहा, केरल में 31 मई के करीब दक्षिण पश्चिम मानसून के लिए स्थितियां अनुकूल बन सकती हैं। इसके पांच जून तक गोवा पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि केरल में मानसून सामान्य तौर पर 1 जून को पहुंचता है, जबकि गोवा में मानसून की पहली फुहार 6 जून तक पड़ती है। उन्होंने कहा कि केरल से गोवा पहुंचने का इसका समय स्थितियों पर निर्भर करता है। मौसम विभाग ने मछुआरों को अगले पांच दिनों तक समुद्र से दूर रहने की चेतावनी दी है

पावरग्रिड ने कोविड-19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान किया

नई दिल्ली। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सीपीएसयू पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पॉवरग्रिड) देशभर के विभिन्न राज्यों को सहायता प्रदान करके कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में समर्थन और योगदान करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में योगदान देने के अपने समर्पित प्रयासों के माध्यम से पावरग्रिड ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत पंजाब, सिक्किम, मिजोरम और केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को लगभग 2.66 करोड़ रुपये की लागत वाले कोल्ड चेन उपकरण (181 आइस लाइन्ड रेफ्रिजरेटर और 130 डीप फ्रीजर) प्रदान किए हैं। वहीं लेह और लद्दाख के दूरदराज के इलाकों में कोविड-19 टीकाकरण अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए दो इंसुलेटेड वैन भी उपलब्ध कराई गई हैं। ऑक्सीजन सहायता के लिए पावरग्रिड, ताऊ देवी लाल स्टेडियम, गुरुग्राम (हरियाणा) में 2×50 एनएम3 प्रति घंटे की क्षमता वाले और जैसलमेर (राजस्थान) में 50 एनएम3 प्रति घंटे की क्षमता वाले ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने जा रहा है। महामारी का सामना करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए, पावरग्रिड की वित्तीय सहायता के माध्यम से मदुरै स्थित सरकारी राजाजी अस्पताल हृदय संबंधी समस्याओं के निदान और उपचार के लिए एक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला स्थापित कर रहा है, जिससे तमिलनाडु की जनता को लाभ होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)